राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 313 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,21 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

स्वरूप बदलने में माहिर है कोरोना, बहुरूपिया और धूर्त भी है : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस को बहुरूपिया और धूर्त करार देते हुए कहा कि यह अपना स्वरूप बदलने में माहिर है जो बच्चों और युवाओं को प्रभावित करने वाला है। इससे निपटने के लिए उन्होंने नयी रणनीति और नये समाधान की आवश्यकता पर बल देते हुए आगाह किया जब तक यह छोटे स्तर भी विद्यमान है, चुनौती खत्म नहीं होगी। प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से छत्तीसगढ़, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और आंध्रप्रदेश के जिला अधिकारियों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों से संवाद कर रहे थे। इससे पहले मंगलवार को भी उन्होंने कुछ अन्य राज्यों के जिला अधिकारियों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले क्षेत्रीय अधिकारियों से संवाद किया था। ज्ञात हो कि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश सहित कुछ राज्यों में कोविड-19 मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अधिकारियों से संवाद करते हुए मोदी ने कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच वायरस का बदलता रूप वयस्कों और बच्चों के लिए चुनौती बना हुआ है। उन्होंने राज्यों के प्रशासन और जिलाधिकारियों से अपने-अपने जिलों में इस संक्रामक रोग की गंभीरता से संबंधित आंकड़े जुटाने को कहा है ताकि भविष्य में काम आ सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि टीकाकरण की रणनीति को लेकर केंद्र सरकार, राज्यों से मिले सभी सुझावों को आगे बढ़ा रही है और इसे ध्यान में रखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय राज्यों को अगले 15 दिनों की, टीकों की खुराक की सूचना उपलब्ध करा रहा है।

उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में टीकों की आपूर्ति आसान होगी और इससे टीकाकरण की पूरी प्रक्रिया को भी आसान बनाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछली महामारियां हों या कोरोना वायरस से पैदा हुई ताजा स्थिति, हर महामारी ने हमें एक बात सिखाई है। उन्होंने कहा, महामारी से लड़ाई के हमारे तौर-तरीकों में निरंतर बदलाव, निरंतर नवोन्मेष बहुत जरूरी है। ये वायरस अपना स्वरूप बदलने में माहिर है। या कहें कि यह बहुरूपिया तो है ही, धूर्त भी है। वायरस म्यूटेशन युवाओं और बच्चों को प्रभावित करने वाला है। इसलिए इससे निपटने के हमारे तरीके और हमारी रणनीति भी विशेष होनी चाहिए। उन्होंने कहा, नयी चुनौतियों के बीच नयी रणनीतियों और नये समाधान की आवश्यकता है। पिछले कुछ दिनों में देश में सक्रिय मामलों में कमी आनी शुरू हो गई है। लेकिन चुनौतियां तब तक हैं जब तक छोटे रूप में भी यह संक्रमण बना रहता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड महामारी से बचाव संबंधी नियमों का पालन करना ही इस बीमारी से बचने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा लोगों को आगाह किया कि जब आंकड़े कम होने लगते हैं तो लोग सोचते हैं कि अब घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद हर जरूरी सावधानी बरतनी ही होगी।प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जिस तरह से वह जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं, इससे इस चिंता को गंभीर होने से रोकने में मदद मिली है लेकिन इसके बावजूद सभी को आगे के लिए तैयार रहना ही होगा। उन्होंने कहा, जीवन बचाने के साथ-साथ हमारी प्राथमिकता जीवन को आसान बनाए रखने की भी है। गरीबों के लिए मुफ्त राशन की सुविधा हो, दूसरी आवश्यक आपूर्ति हो, कालाबाजारी पर रोक हो, ये सब इस लड़ाई को जीतने के लिए भी जरूरी हैं, और आगे बढ़ने के लिए भी आवश्यक है।

टीकाकरण अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, टीकाकरण की रणनीति में भी हर स्तर पर राज्यों और अनेक पक्षों से मिलने वाले सुझावों को शामिल करके आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते कुछ समय से देश में विभिन्न अस्पतालों में उपचाररत मरीजों की संख्या कम होने लगी है लेकिन जब तक ये संक्रमण छोटे स्तर पर भी मौजूद है, तब तक चुनौती बनी रहती है। उन्होंने कहा, कोविड महामारी की दूसरी लहर के बीच वायरस के स्वरूपों की वजह से अब युवाओं और बच्चों के लिए ज्यादा चिंता जताई जा रही है। प्रधानमंत्री ने इस संवाद के दौरान टीका की बबार्दी रोकने पर भी जोर दिया और कहा कि एक भी खुराक के व्यर्थ जाने का मतलब है, किसी एक जीवन को जरूरी सुरक्षा कवच नहीं दे पाना। उन्होंने कहा, इसलिए टीकों की बबार्दी रोकना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि आने वाले दिनों में जिलास्तर पर टीकों की आपूर्ति बढ़ाकर टीकाकरण अभियान को और मजबूती मिलेगी।

कोरोना ने देशों के बीच सोचने और आकलन को लेकर परिवर्तन लाया : एस. जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जापान, आस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ लचीली आपूर्ति श्रृंखला पहल जैसे कदमों सहित अधिक प्रभावी साझेदारी करके भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के साथ उस खतरे की स्थिति से बाहर रख सकता है। विदेश मंत्री ने कहा कि कोरोना ने देशों के बीच एक दूसरे के बारे में सोच और आकलन को लेकर परिवर्तन लाने का काम किया है और इस तरह दुनिया को नया स्वरूप प्रदान किया है। इसने दुनिया में विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला के महत्व तथा विश्वास एवं पारदर्शिता की अहमियत को सामने लाने का काम किया है। विदेश मंत्री ने कहा, ऐसे में हमें वृहद वैश्विक क्षमता सृजित करने की जरूरत है, ताकि महामारी की चुनौतियों से अधिक प्रभावी ढंग से निपट सके।

जयशंकर ने कहा कि यह महामारी हमारी स्मृतियों में सबसे गंभीर हो सकती है लेकिन इस आवर्ती चुनौती के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एक बार आने वाली चुनौती की तरह देखना चाहिए। उन्होंने कहा इसके लिए इसतरह के अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है जिसकी पहले कल्पना नहीं की गई।कोई भी राष्ट्रीय क्षमता, चाहे वह कितनी भी बड़ी क्यों न हो...वह पर्याप्त नहीं हो सकती। विदेश मंत्री ने कहा कि अगर वर्तमान क्षमताओं को मिला दिया जाए तब भी सामूहिक प्रतिक्रिया कम पड़ सकती है। उन्होंने कहा, कोविड-19 ने निश्चित तौर पर आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक शासन व्यवस्था, सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिकता जैसे मुद्दों के बारे में चर्चा शुरू की है।

उन्होंने कहा कि जहां तक क्वाड व्यवस्था का सवाल है और जिसमें अमेरिका भी शामिल है,इसका भी एजेंडा आज टीके को लेकर साझेदारी, महत्वपूर्ण एवं उभरती तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला, सम्पर्क आदि पर केंद्रित है। जयशंकर ने कहा कि हाल ही में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भारत के शिखर सम्मेलन में मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत को लेकर प्रगति दिखी जो उल्लेखनीय है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संकट के बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में एक्टिव केस 12.1 प्रतिशत हैं और कोविड से रिकवरी 86.7 प्रतिशत हो गई है। देश के 8 राज्यों में 1 लाख से अधिक एक्टिव केस हैं, 9 राज्यों में 50,000 से एक लाख एक्टिव केस हैं। वहीं 19 राज्यों में 50,000 से कम एक्टिव केस हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव, लव अग्रवाल ने बताया कि पूर्वोत्तर के कई राज्यों में कोरोना के केस बढ़े हैं, हालांकि इसी दौरान यूपी, दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कोरोना केस घटे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में देशभर में 2,76,000 मामले दर्ज किए गए हैं, इसमें से 77 प्रतिशत मामले 10 राज्यों से हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में 3 मई को सक्रिय मामले 17.13 प्रतिशत थे, वे अब 12.1 प्रतिशत रह गए हैं। रिकवरी रेट 81.7 प्रतिशत से बढ़कर 86.7 प्रतिशत हो गई है।

ब्लैक फंगस को घोषित करें महामारी, केंद्र का राज्यों को निर्देश

नई दिल्ली । कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान अस्पतालों में इस संक्रमण से उबर रहे लोगों में ब्लैक फंगस या म्यूकोरमाइकोसिस के मामले बढ़े हैं और इसकी वजह बिना डॉक्टर के परामर्श के घर में स्टेरॉयड का 'अतार्किक' सेवन संभव है। यह कवकीय संक्रमण मस्तिष्क, फेफड़े और साइनस को प्रभावित करता है तथा मधुमेह के रोगियों एवं कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों के लिए जानलेवा हो सकता है। ऐसे में केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को अहम निर्देश देते हुए कहा है कि ब्लैक फंगस को महामारी कानून के तहत Notifiable disease में अधिसूचित करें और सभी केस रिपोर्ट किए जाएं। इसके मायने यह हैं ब्लैक फंगस के सभी पुष्ट और संदिग्ध केस, स्वास्थ्य मंत्रालय को रिपोर्ट किए जाएंगे।

ब्लैक फंगस के मामले कोरोना से रिकवर हो मरीजों पर देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ज्वॉइंट सेक्रेटरी लव अग्रवाल ने राज्यों को लिखे लेटर में कहा, सभी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों को ब्लैक फंगस के स्क्रीनिंग, डायग्नोसिस और मैनेजमेंट के गाइडलाइंस का पालन करना होगा।

वहीं, आपको बता दें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज कहा कि दिल्ली सरकार के तीन अस्पतालों में ब्लैक फंगस या म्यूकरमाइकोसिस के इलाज के लिए विशेष केंद्र बनाये जाएंगे। केजरीवाल ने यहां एक बैठक में अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ ब्लैक फंगस के बढ़ते मामलों पर विचार-विमर्श करने के बाद यह घोषणा की। उन्होंने ट्वीट किया, ''ब्लैक फंगस बीमारी की रोकथाम और इलाज के लिए बैठक में कुछ अहम निर्णय लिए। ब्लैक फंगस के इलाज के लिए लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, गुरु तेग बहादुर अस्पताल और राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में केंद्र बनाये जाएंगे।'' केजरीवाल ने कहा कि इस बीमारी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं का पर्याप्त मात्रा में प्रबंध किया जाएगा और बीमारी से बचाव के उपायों को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने का निर्णय लिया गया है।

सोनिया गांधी की पीएम मोदी को खत, कहा-कोरोना महामारी में अनाथ हुए बच्चों को नवोदय में मिले फ्री शिक्षा

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि उन बच्चों को नवोदय विद्यालयों में मुफ्त शिक्षा देने के बारे में विचार किया जाए जिन्होंने कोरोना महामारी के कारण अपने माता-पिता या फिर इनमें से किसी एक को खो दिया है जो घर की जीविका चलाता रहा हो। उन्होंने प्रधानमंत्री पत्र लिखकर यह भी कहा कि इन बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद देना राष्ट्र के तौर पर सबकी जिम्मेदारी है।

सोनिया ने कहा, ''कोरोना महामारी की भयावह स्थिति के बीच कई बच्चों का अपने माता-पिता में से किसी एक या फिर दोनों को खोने की खबरें आ रही हैं जो तकलीफदेह हैं। ये बच्चे सदमे में हैं और इनकी सतत शिक्षा और भविष्य के लिए कोई मदद उपलब्ध नहीं है।'' उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री और अपने पति राजीव गांधी के कार्यकाल शुरू किए गए नवोदय विद्यालयों का उल्लेख किया और कहा कि इस समय देश में 661 नवोदय विद्यालय चल रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि उन बच्चों को इन नवोदय विद्यालयों में मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के बारे में विचार किया जाए जिन्होंने कोविड के कारण अपने माता-पिता या फिर इनमें से घर की जीविका चलाने वाले व्यक्ति को खो दिया है। सोनिया ने कहा, ''मुझे लगता है कि एक राष्ट्र के तौर पर हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि हम अकल्पनीय त्रासदी से गुजरने के बाद इन बच्चों को अच्छे भविष्य की उम्मीद दें।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार को सोनिया गांधी द्वारा दिए गए सुझावों को सुनना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, ''कोरोना के सदमे से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वालों में बच्चे भी शामिल हैं। कई बच्चों ने अपने माता-पिता को खो दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने इन बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने और नवोदय विद्यालयों में मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। सरकार को यह सुनना चाहिए।''

उधर, भाजपा ने सोनिया गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अनाथ बच्चों की देखभाल करने का उनका विचार पुराना और नकल किया हुआ है। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, ''कांग्रेस शासित राज्य सरकारों को छोड़कर कई अन्य राज्य सरकारें यह (अनाथ बच्चों की देखभाल) कर रही हैं। उन्हें यह पत्र अमरिंदर सिंह और अशोक गहलोत को लिखना चाहिए था।''

केजरीवाल ने मृतक टीचर के परिवार को सौंपा 1 करोड़ रुपये का चेक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज कोरोना योद्धा स्वर्गीय शिवजी मिश्रा के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें एक करोड़ रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय शिवजी मिश्रा कल्याणवासी स्थित आरएसबीवी में शिक्षक थे और वह मेहनती और कर्मठ शिक्षक थे। उन्होंने अपनी अंतिम सांस तक लोगों की सेवा की। हम उनकी कमी को पूरा तो नहीं कर सकते, लेकिन मुझे उम्मीद है कि इस आर्थिक मदद से उनके परिवार को थोड़ी मदद मिलेगी। हम दिल्ली सरकार में उनके बेटे को नौकरी भी देंगे।

मुख्यमंत्री श्री केजरीवाल ने आज कोरोना योद्धा स्वर्गीय शिवजी के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की और दिल्ली सरकार की तरफ से उनके परिजनों को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों को बातचीत कर ढांढस भी बढ़ाया और भविष्य में जरूरत पड़ने पर हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि स्वर्गीय शिवजी मिश्रा हमारे दिल्ली सरकार के स्कूल में शिक्षक थे। वह बहुत ही मेहनती और कर्मठ शिक्षक थे। कोरोना काल के दौरान उनकी ड्यूटी लगी थी और उसी दौरान वे कोरोना से संक्रमित हो गए थे और कोरोना की वजह से उनकी मौत हो गई।

पीएम मोदी की बैठक को लेकर ममता जी का आचरण दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक- रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरोना संकट को लेकर जिलाधिकारियों के साथ मीटिंग के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पलटवार किया है। प्रसाद ने कहा है कि पीएम मोदी की बैठक को लेकर ममता का आचरण दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि ममता ने पूरी मीटिंग को एक तरह से डीरेल करने की कोशिश की है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मीटिंग के बाद ममता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया था कि उन्हें दवा, वैक्सीन और अन्य मुद्दों पर तमाम बातें रखनी थी, लेकिन उन्हें बोलने ही नहीं दिया गया।

'प्रधानमंत्री जी की सोच बहुत साफ है'- प्रसाद ने कहा, 'मोदी जी ने देश के कुछ राज्यों के डीएम से उनके जिले की कोरोना की लड़ाई में जो अच्छे काम हो रहे हैं उसको शेयर करने के लिए बैठक बुलाई थी। बैठक में ममता बनर्जी जी का आचरण बहुत ही अशोभनीय रहा है। उन्होंने पूरी मीटिंग को एक प्रकार से डीरेल करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सिर्फ भाजपा शासित राज्यों के डीएम को बुलाया जाता है जबकि पूर्व में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, केरल के जिलाधिकारियों ने बी अपनी बात रखी है। प्रधानमंत्री जी की सोच बहुत साफ है कि जो भी जिला अधिकारी अच्छा काम कर रहा है उस काम को देश को जानना चाहिए।'

'24 परगना के डीएम को बोलने नहीं दिया'- उन्होंने कहा, 'आज भी ममता जी ने अपने प्रदेश में 24 परगना के डीएम को बोलने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि डीएम क्या जानते हैं, उनसे ज्यादा मैं जानती हूं। एक मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री के द्वारा बुलाई गई बैठक में इस तरह का आचरण करना दुर्भाग्यपूर्ण है, और ममता जी ऐसा पहली बार नहीं कर रही हैं।' उन्होंने कहा कि इससे पहले कई मीटिंग्स में ममता बनर्जी ने हिस्सा नहीं लिया था। 17 मार्च को पीएम मोदी द्वारा बुलाई गई मीटिंग, या उससे पहले भी एकाध मीटिंग्स को छोड़कर वह किसी में नहीं आई थीं। उन्होंने कहा, 'वह 2014 में पीएम के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर पर बैठक में नहीं आईं, 2015 में लैंड बिल पर बैठक में नहीं आईं, 2019 में नीति आयोग की गवर्निंग बैठक में भाग नहीं लिया, 2019 में वन नेशन वन इलेक्शन की बैठक में भाग नहीं लिया।'

'ममता का आचरण बहुत पीड़ादायक है'- प्रसाद ने कहा, 'मैं उनसे सवाल पूछता हूं कि भारत के प्रधानमंत्री अगर देश के सभी जिला अधिकारियों से उनके किए अच्छे काम की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तो इसमें क्या परेशानी है, ऐसा क्यों नहीं होना चाहिए। कई जिलों में अच्छा काम हुआ है, उस जिले वाले राज्य में किसकी सरकार है इससे नरेंद्र मोदी जी को मतलब नहीं है। बेस्ट प्रैक्टिस कहीं भी हो उसका सदुपयोग होना चाहिए। आज जो उनका आचरण हुआ है वह दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है तथा उसकी हम गंभीरता से निंदा करते हैं। कोरोना की लड़ाई में जब देश को एकजुट होकर लगना चाहिए और प्रधानमंत्री रोज इसपर काम कर रहे हैं, ऐसे समय में इस तरह का आचरण पहुत पीड़ादायक है।'

ममता बनर्जी ने क्या आरोप लगाया है- वहीं, ममता बनर्जी ने बैठक के बाद आरोप लगाया, 'यह एक कैजुअल और सुपर फ्लॉप बैठक थी। हम सभी मुख्यमंत्रिओं का अपमान किया गया। बैठक में सभी मुख्यमंत्रियों को कठपुतली की तरह बैठा दिया गया, बोलने नहीं दिया गया, ऐसे में जनता की मांग के बारे में बात कैसे रख सकते हैं।

उन्होंने वैक्सीन, मेडिकल पोजिशन, दवाएं, इसपर कोई बात नहीं की। ब्लैक फंगस के बारे में हमसे नहीं पूछा। किसी मुख्यमंत्री को बोलने नहीं दिया, सिर्फ डीएम को बोलने दिया। यह डिक्टेटरशिप से भी ज्यादा है।'

पीयूष गोयल का अधिकारियों को निर्देश- राज्यों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर रखें पैनी नजर

नई दिल्ली । खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यों से कहा है कि अगर कोई मिल, थोक व्यापारी या खुदरा कारोबारी कोरोना संकट की आड़ में जमाखोरी करता पाया जाता है तो वे आवश्यक वस्तु अधिनियम का सख्ती से पालन कराएं। गोयल ने आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रविधान की समीक्षा करते हुए मंत्रालय के अधिकारियों को राज्यों में ऐसी वस्तुओं की कीमतों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया।

गोयल ने उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि कीमतों में अस्थिरता खत्म करने और उन्हें स्थिर रखने के लिए जरूरी वस्तुओं का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जाए। विभाग 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 157 केंद्रों से 22 आवश्यक वस्तुओं के आंकड़े लगातार जुटाते हुए उनके दामों पर कड़ी नजर रख रहा है। एक हालिया बैठक में उपभोक्ता मामलों की सचिव लीना नंदन ने राज्य के अधिकारियों को आवश्यक वस्तुओं के दाम उचित स्तर पर बनाए रखने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया था।

जमाखोरी पर लगाम लगाने के लिए मिल मालिकों, व्यापारियों और आयातकों समेत बड़ी मात्रा में भंडारण करने वालों को हाल ही में अपने दाल भंडार की घोषणा करने का निर्देश दिया गया था। दालों की आपूर्ति बढ़ाने और महंगाई रोकने के लिए पिछले दिनों वाणिज्य मंत्रालय ने उनकी आयात नीति में भी बदलाव किया था। दालों की जमाखोरी रोकने के लिए मंत्रालय ने राज्य सरकारों को दालों की कीमतों पर साप्ताहिक आधार पर निगरानी रखने को कहा गया है। दलहन उत्पादक राज्यों से विशेष अनुरोध किया गया है कि वे किसानों को लंबी अवधि के लिए दलहन खेती को प्रोत्साहित करें और उन्हें हरसंभव मदद मुहैया कराएं।

आर्मी चीफ जनरल नरवणे बोले- लद्दाख सीमा के पास चीनी सैनिकों के अभ्यास पर भारत की पैनी नजर

नई दिल्ली । देश में जारी कोरोना संकट के बीच सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने कहा है कि भारतीय सेना चीनी सेना की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है। इसमें लद्दाख क्षेत्र के नजदीक प्रशिक्षण क्षेत्रों में किया जा रहा अभ्यास शामिल है। उन्होंने कहा कि पैंगोंग झील इलाके में सेनाओं को पीछे हटाने के बाद से दोनों पक्षों की ओर से किसी तरह का उल्लंघन नहीं हुआ।जनरल नरवणे ने कहा कि सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया अभी तक सद्भावपूर्ण रही है, लेकिन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए भारतीय सेना प्रभावी निगरानी रख रही है।

चीनी सेना के अभ्यास पर सेना प्रमुख ने कहा, प्रशिक्षण क्षेत्रों में हमने कुछ मूवमेंट देखा है। यह वार्षिक अभ्यास है। वे अभ्यास के लिए आते हैं। हम भी प्रशिक्षण क्षेत्रों में जाते हैं। हम लगातार निगाह रख रहे हैं। एलएसी पर हमारे बल तैनात हैं और किसी कार्रवाई या गतिविधि से निपटने के लिए वे पर्याप्त हैं। उन्होंने कहा, महत्वपूर्ण यह है कि हम बात कर रहे हैं। यह जानना अहम है कि दो चरणों के बीच की अवधि में विश्वास बनाना होगा। मुझे लगता है कि विश्वास बना है.. क्योंकि इसी विश्वास की वजह से शायद हम अन्य इलाकों में आगे बढ़ सकेंगे जहां अभी भी मुद्दों का समाधान होना है। जनरल नरवणे ने कहा कि जब तक सेनाएं पीछे नहीं हट जातीं, भारत उत्तरी सीमा पर अपनी बढ़ी हुई मौजूदगी को बरकरार रखेगा।

सीमा पर संक्रमित नहीं हुआ एक भी जवान-सेना प्रमुख ने बताया कि अग्रिम मोर्चों(सीमा) पर तैनात हमारे जवान कोरोना संक्रमित नहीं हुए हैं क्योंकि हमारा जो जवान बाहर से सीमा क्षेत्र में पहुंचा उसे तीन चरणों में जांच करने के बाद तैनाती दी गई। इसलिए हम पाकिस्तान और चीन से लगने वाली सीमाओं पर पूरी मुस्तैदी से डटे हुए हैं।

एनएचएस की वैक्सीन पासपोर्ट सुविधा शुरू पर आंकड़ों में सेंधमारी को लेकर चिंताएं बढ़ीं

लीसेस्टर, (एजेंसी)। इंग्लैंड के एनएचएस वैक्सीन पासपोर्ट की सुविधा शुरू हो गई है, इसी के साथ वायरस जांचों या लंबे समय तक पृथक-वास में रहने जैसे नियमों के बिना अंतरराष्ट्रीय यात्रा सुविधा का वादा भी पूरा होना शुरू हो जाएगा। लेकिन एनएचएस के इस ऐप के पीछे और क्या-क्या चल रहा है, यह परेशान करने वाला है। जोखिमों को जिम्मेदाराना ढंग से कम कर लिया गया है, लेकिन वैक्सीन पासपोर्ट निजता संबंधी एक नोटिस के साथ शुरू किया गया है जो ब्रिटेन सरकार द्वारा इस विवादित प्रौद्योगिकी को लागू करने का दावा करने वाली चेतावनी एवं देखभाल का खंडन करती मालूम होती है। इस साल की शुरूआत में, सरकार ने कहा था कि इसे जारी करने से पहले वैक्सीन पासपोर्ट को लेकर गहरे एवं जटिल मुद्दों को निपटे जाने की जरूरत है। सरकार के डेटा पर कब्जा करने करने और प्रौद्योगिकी के अनुचित अनुप्रयोगों को लेकर भयभीत आलोचक इस वादे से संतुष्ट थे कि वैक्सीन पासपोर्ट के प्रयोग पर पब एवं रेस्त्राओं में उनके प्रयोग को हटाने जैसी गंभीर सीमाबद्धताएं लगाई जाएंगी। इसके बावजूद नये ऐप सेवा के निजता नोटिस में यह नहीं दिखता है। वैक्सीन पासपोर्ट का घोषित मकसद कोरोना वायरस के समय में समाज को खोलने के लिए इसे अभिन्न अंग बनाना है लेकिन यह गंभीर निगरानी एवं भेदभाव की चिंताओं को साथ ला रहा है। परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्स ने 28 अप्रैल को अनौपचारिक घोषणा की थी कि एनएचएस ऐप-एनएचएस कोविड-19 ऐप नहीं- अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए वैक्सीन पासपोर्ट के तौर पर भी काम करेगा। ऐप इंस्टाल करने पर उपयोगकर्ता ने पाया कि ऐप को पहले से ही उनके कोविड-19 टीके की पहली खुराक के बारे में पता था और उसके अलावा उनके 15 वर्षों तक के सभी चिकित्सकीय पर्चियां वहां पर सूचीबद्ध थी- ऐसी सूचनाएं जो वह सीमा नियंत्रण पर सामान्य स्थिति में साझा नहीं करना चाहेंगे। यह ऐप बाद में खुद अपडेट हो गया जिसके बाद उसपर चेक योर कोविड-19 वैक्सीन रिकॉर्ड टैब आ गया जो स्क्रीन पर टीकाकरण की सूचना दशार्ता है। इस सेवा का वेब संस्करण भी है जिसमें उपयोग की शर्तें एवं निजता नीति दर्ज है जो कई तरीकों से आश्वस्त करने वाली मालूम होती है। लेकिन यह वैक्सीन पासपोर्ट की कार्य प्रणाली नहीं थी, यह अब बदल गई है। अगले ऐप अपडेट में एक और टैब जुड़ गया है- अपनी कोविड-19 स्थिति साझा करें। पहले इसमें यात्रा के लिए जुड़ा हुआ था लेकिन नया निजता नोटिस अलग ही कहानी कहता है और कई गंभीर चिंताएं पैदा करता है। वैक्सीन पासपोर्ट एक ऐसा आवश्यक प्रमाणपत्र है जो यह दशार्ता है कि पासपोर्ट धारक कोविड-19 के खिलाफ एक सुरक्षा कवच हासिल कर चुका है और इस पासपोर्ट का इस्तेमाल रेस्त्रां, पब, बार, खेल परिसर और अन्य ऐसे सार्वजनिक स्थल पर उन्हें वहां प्रवेश की अनुमति देने में इस्तेमाल कर सकते हैं।

मोरक्को और स्पेन की सीमा के बीच के इलाके में बैठे लोग। इन्हें स्पेन के सुरक्षाबलों ने अपने देश में अवैध रुप से प्रवेश से रोक दिया था।

अंटार्कटिका से बर्फ का विशाल पहाड़ टूटकर हुआ अलग

लंदन, (एजेंसी)। बर्फ की खान कहलाने वाले अंटार्कटिका से बर्फ का एक विशाल पहाड़ टूटकर अलग हो गया है।जिसे दुनिया का सबसे बड़ा हिमखंड बताया जा रहा है। यह हिमखंड 170 किलोमीटर लंबा है, और करीब 25 किलोमीटर चौड़ा है।सैटलाइट तस्वीरों से नजर आ रहा है कि अंटारकर्टिका के पश्चिमी हिस्से में स्थित रोन्ने आइस सेल्फ से यह महाकाय बर्फ का टुकड़ा टूटा है। इस हिमखंड के टूटने से दुनिया में दहशत का माहौल है। यह हिमखंड टूटने के बाद अब वेड्डेल समुद्र में स्वतंत्र होकर तैर रहा है। इस महाकाय हिमखंड का पूरा आकार 4320 किलोमीटर है। यह दुनिया में सबसे बड़ा हिमखंड बन गया है। इस ए-76 नाम दिया गया है। हिमखंड के टूटने की तस्वीर को यूरोपीय यूनियन के सैटलाइट कापरनिकस सेंटीनल ने खींची है। यह सैटलाइट धरती के ध्रुवीय इलाके पर नजर रखता है। ब्रिटेन के अंटार्कटिक सर्वे दल ने सबसे पहले इस हिमखंड के टूटने के बारे में बताया था।

जानकारी के मुताबिक इस हिमखंड के टूटने से सीधे समुद्र के जलस्तर में वृद्धि नहीं होगी लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से जलस्तर बढ़ सकता है। इतना ही नहीं ग्लेशियर्स के बहाव और बर्फ की धाराओं की गति को धीमा कर सकता है। सेंटर ने चेतावनी दी कि अंटारर्कटिका धरती के अन्य हिस्सों की तुलना में ज्यादा तेजी से गर्म हो रहा है। अंटारकर्टिका में बर्फ के रूप में इतना पानी जमा है जिसके पिघलने पर दुनियाभर में समुद्र का जलस्तर 200 फुट तक बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ए-76 जलवायु परिवर्तन की वजह से नहीं बल्कि प्राकृतिक कारणों से टूटा है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे दल की वैज्ञानिक ने ट्वीट करके कहा कि ए-76 और ए-74 दोनों अपनी अवधि पूरी हो जाने के बाद प्राकृतिक कारणों से अलग हुए हैं। उन्होंने कहा कि हिमखंडों के टूटने की गति पर नजर रखने की जरूरत है लेकिन अभी इनका टूटना अपेक्षति है।

रफाह शहर में इजरायली हमले के बाद एक सड़क पर हुए छेद को देखते हुए फिलिस्तीनी।

इजरायल-फिलीस्तीन में संघर्ष खत्म होने के आसार तेज

तेलअवीव, (एजेंसी)। इजरायल और फलस्तीनी उग्रवादी गुट हमास के बीच जारी भीषण संघर्ष जल्द खत्म होने के आसार तेज हो गए हैं। हमास नेताओं ने कहा है कि अगले 24 घंटे में सीजफायर का ऐलान हो सकता है। इस भीषण संघर्ष में अब तक गाजा पट्टी में कम से कम 227 लोग और इजरायल में 12 लोग मारे गए हैं। हमास ने करीब 4 हजार रॉकेट दागे हैं, वहीं इजरायल की सेना ने भी सैकड़ों हमले किए हैं। हमास के नेताओं ने कहा कि अगले 24 घंटे में इजरायल और हमास के बीच सीजफायर का ऐलान हो सकता है। हालांकि अभी तक इस बारे में इजरायल की ओर से कोई बयान नहीं आया है। इस बीच अमेरिका ने बुधवार को कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र के सीजफायर कराने के प्रस्ताव का विरोध करता है। अमेरिका ने यह भी कहा कि बाइडेन प्रशासन के प्रयासों से इस संकट को खत्म किया जा सकता है। अमेरिका ने इजरायल और फलस्तीन के बीच हिंसा को बंद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र में लाए गए प्रस्ताव को 4 बार ब्लॉक कर दिया। इसके बाद फ्रांस ने प्रस्ताव को तैयार किया है। इजरायल और फलस्तीन के बीच बीते 11 दिन से चल रही भीषण लड़ाई के मद्देनजनर तनाव में महत्वपूर्ण कमी लाने की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की अपील के बावजूद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी पर सैन्य अभियान जारी रखने का बुधवार को संकल्प लिया। माना जा रहा है कि नेतन्याहू के इस बयान से संघर्ष विराम पर पहुंचने के अंतरराष्ट्रीय प्रयास जटिल हो सकते हैं। इजरायल ने बुधवार को गाजा पर हवाई हमले जारी रखे, जबकि फलस्तीनी उग्रवादियों ने भी इजरायल पर दिन भर रॉकेट दागे। इस बीच, लेबनान से भी उत्तरी इजराइल में रॉकेट दागे गए। नेतन्याहू ने सैन्य मुख्यालय के दौरे के बाद कहा कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति के सहयोग की बहुत सराहना करते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि इजरायल के लोगों को शांति एवं सुरक्षा वापस दिलाने के लिए देश अभियान जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि वह अभियान का मकसद पूरा होने तक उसे जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वाइट हाउस की तरफ से जारी बयान के अनुसार, यह अमेरिका के किसी सहयोगी पर बाइडन की तरफ से डाला गया अब तक का सबसे कठोर सार्वजनिक दबाव है। इसमें कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने टेलीफोन पर हुई बातचीत में नेतन्याहू से संघर्ष विराम के रास्ते की तरफ बढ़ने को कहा। बाइडन पर भी और प्रयास करने का दबाव बढ़ रहा है क्योंकि संघर्ष में हुई मौतों का आंकड़ा 200 के पार पहुंच गया है।

ऑक्सफर्ड ने बनाई कोविशील्ड की बूस्टर डोज, कोरोना वेरिएंट से मुक्ति

लंदन, (एजेंसी)। एस्ट्रेजनेका कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज बनकर तैयार हो गई है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से बनाई इस बूस्टर डोज ने कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन के खिलाफ बेहद मजबूत एंटीबॉडी पैदा की है। ब्रिटिश अखबार ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह शोध ऐसे समय पर सामने आया है, जब वैक्सीन निमार्ता कंपनियों ने चेतावनी दी है कि दुनिया को कोरोना वेरिएंट से निपटने के लिए हर साल बूस्टर डोज लगवानी पड़ सकती है। शोध में पाया गया है कि ऑक्सफर्ड का बूस्टर डोज कोरोना वायरस के किसी भी वेरिएंट पर बेहद प्रभावी है। इसके साथ ही यह आशंका भी खत्म हो गई है कि एडिनोवायरस का इस्तेमाल एक बार से ज्यादा नहीं किया जा सकता है। यह शोध अभी प्रकाशित नहीं हुआ है और सूत्रों के हवाले से यह शोध रिपोर्ट हासिल की गई है।

इस वैक्सीन में नई तकनीक का इस्तेमाल करके एडिनोवायरस के परिवर्तित संस्करण का इस्तेमाल किया गया है। इस बीच कुछ वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि अगर कोरोना वेरिएंट से निपटने के लिए हर साल अनिवार्य रूप से बूस्टर डोज लगाया गया तो इससे वैक्सीन का असर कम हो सकता है। यह अभी पता नहीं चल सका है कि ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी कब इस अध्ययन को प्रकाशित करने जा रही है। इस बीच दुनियाभर में अब बूस्टर डोज खरीदने की भी होड़ शुरू हो गई है। यूरोपीय संघ ने फाइजर के साथ अरबों डोज खरीदने का करार किया है। ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन भारत में कोविशील्ड के नाम से लगाई जा रही है और अब करोड़ों लोग इसके एक या दो डोज लगवा चुके हैं। हालांकि खून में थक्के जमने के कारण के यह वैक्सीन पूरी दुनिया में विवादों में भी आ गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को हाल ही में एक रिपोर्ट सौंपी गई है जिसमें कहा गया है कि भारत में भी ऐसे 26 मामले सामने आए हैं जिनमें ब्लड क्लॉट जमता देखा गया है। इन सभी लोगों को कोविशील्ड कोरोना वैक्सीन लगाई गई थी। यूरोप के कई देशों में ऑक्सफर्ड की वैक्सीन को बैन कर दिया है। ब्लड क्लॉट के खतरे को देखते हुए इस वैक्सीन को बनाने वाले ब्रिटेन में 40 साल से कम उम्र वाले लोगों को कोई और वैक्सीन लगवाने की सलाह दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि टीका लगवाने के 20 दिन के अंदर किसी व्यक्ति को छाती में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, हाथ में सूजन या ज्यादा दर्द, टीका लगने वाले जगह पर लाल निशान, पेट में दर्द, लगातार उल्टी आना, लगातार सिर में दर्द होना, किसी अन्य हिस्से में लगातार दर्द, आंखों में दर्द जैसा लक्षण आए तो तत्काल अपने अस्पताल को इसकी सूचना दें।

न्यूजीलैंड में महामारी के दौरान भेदभाव और नस्लवाद बढ़ा

वेलिंगटन, (एजेंसी)। इस साल फरवरी तथा मार्च में किए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में सामने आया है कि न्यूजीलैंड में कोविड-19 महामारी के दौरान नस्लवाद की घटनाएं बढ़ी हैं। माओरी, पैसिफिक और एशियाई मूल के लोगों को नस्लवाद का अनुभव ज्यादा हुआ है और इनमें से आधे का कहना है कि एक तिहाई यूरोपीय न्यूजीलैंड वासियों के मुकाबले उनके साथ नस्लवाद अधिक है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 1,083 लोगों में से आधे से अधिक (52 प्रतिशत) का कहना है कि नस्लवाद पहले के जैसा ही है और 7 प्रतिशत ने इसे कम बताया। कोरोना वायरस महामारी से एशियाई लोगों के प्रति घृणा की भावना बढ़ी है। साथ ही जातीय अल्पसंख्यकों पर इस बीमारी का काफी असर पड़ा है और कई लोगों की मौत हुई है। अल्पसंख्यक जातीय समूहों में मृत्यु दर ब्रिटेन में श्वेत आबादी के मुकाबले दो या उससे अधिक गुना ज्यादा है। न्यूजीलैंड में माओरी और पैसिफिक लोगों की कोविड-19 के कारण करीब दो गुना अधिक मौतें हुई हैं। हर पांच में करीब दो लोगों ने कहा कि उन्होंने देखा है कि लोग दूसरे लोगों को वे कैसे दिखते या कैसी अंग्रेजी बोलते हैं, इसके कारण भेदभाव करते हैं। करीब एक चौथाई लोगों ने अपनी जातीयता के कारण भेदभाव का अनुभव साझा किया जिसमें सरकारी विभागों, कार्य स्थलों तथा स्वास्थ्य देखाभाल सेवाएं लेते समय हुआ भेदभाव शामिल है। एशियाई मूल के लोगों ने नौकरी के लिए आवेदन देते वक्त, कार्य स्थल पर और खरीददारी के लिए जाते या रेस्त्रां जाते वक्त अधिक भेदभाव का सामना किया।

पति के चेहरे पर बैठी 101 किलो की पत्नी, दम घुटने से पति की मौत

मास्को, (एजेंसी)। रूस के साइबेरिया से खौफनाक मामला सामने आया है। साइबेरिया में 101 किलो वजनी महिला अपने पति के चेहरे पर बैठ गई,जिससे पति के दम घुटने से मौत हो गई। पति और पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई होती रहती थी लेकिन इस बार वे तलाक के लिए भी पहुंच गए। इसके बाद घर के बुजुर्गों ने उन्हें समझाया कि वे झगड़ा खत्म करके तलाक याचिका वापस लें। इसके बाद पति और पत्नी के बीच काफी बहस हुई। यह बहस अब पत्नी के लिए मंहगी पड़ गई है। दरअसल, पत्नी अपने पति के चेहरे पर बैठकर उससे मांग की कि वह माफी मांगे। इतनी विशालकाय पत्नी के चेहरे पर बैठ जाने से पति सांस नहीं ले पाया और उसकी दम घुटने से मौके पर ही मौत हो गई। हत्या की आरोपी पत्नी की पहचान टटियाना के रूप में हुई है। वहीं पति का नाम एडार बताया जा रहा है।

खबरों के मुताबिक टटियाना के माफी के लिए कहने पर पति एडार ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। इसके बाद गुस्साई पत्नी ने एडार को जमीन पर ढकेल कर उसके चेहरे पर बैठ गई। इतना भारी शरीर लेकर टटियाना के चेहरे के ऊपर बैठ जाने पर उसके पति की सांस नहीं ले पाने की वजह से मौत हो गई। इस दौरान एडार कई बार पत्नी से सांस लेने की भीख मांगता रहा लेकिन उसने एक नहीं सुनी। एडार ने टटियाना से कहा कि उसे उठने दे लेकिन वह बहुत गुस्से में थी। टटियाना ने चेहरे के ऊपर से उठने से मना कर दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि एडार सांस नहीं ले पाया और उसकी मौत हो गई। टटियाना की बेटी ने सबसे पहले अपने पिता का शव देखा। टटियाना ने इस हत्याकांड के बाद कहा, मैं अपने पति को मारना नहीं चाहती थी। मैं उसे केवल झगड़े के बाद शांत करना चाहती थी।

दुनिया आज भारत के लिए दुआ कर रही : अमेरिकी नागरिक अधिकार नेता

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के शीर्ष नागरिक अधिकार नेता जेसी जैक्सन ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत और उसके लोगों के लिए दुआ कर रही है।

साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि महात्मा गांधी का देश इस महामारी के खिलाफ लड़ाई जीत जाएगा। शिकागो के रहने वाले नागरिक अधिकार नेता जेसी जैक्सन भारत को छह करोड़ एस्ट्राजेनेका टीके देने का बाइडन प्रशासन से अनुरोध करने के लिए यहां आए थे। वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में जैक्सन ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस दोनों के समक्ष इस मुद्दे को उठाया।

भारत के लोगों के प्रति एकजुटता जताते हुए उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया भारत के लिए दुआ कर रही है। उन्होंने कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित भारत और अन्य देशों के लिए और निधि जुटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें दुनिया के लिए और टीके मांगने चाहिए। हमें अभी श्वास यंत्रों, दवाओं और टीकों की आवश्यकता है। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रतिष्ठित नेता डॉ भारत बराई ने इस पहल के लिए जैक्सन का आभार जताया।

उन्होंने कहा, टीकाकरण सबसे सही और सबसे महत्वपूर्ण चीज है। इससे न केवल लोगों की जान बचेगी बल्कि यह अर्थव्यवस्था को भी गिरने से रोकेगा।

न्यूयार्क में एक ब्राडवे से निकलते हुए लोग। यहां कोरोना महामारी पर हुए नियंत्रण के बाद पाबंदियां कम करने का नया दौर शुरू हो गया है।

कोरोना से निपटने के प्रयासों में ढिलाई नहीं बरत सकते: सिंगापुर

सिंगापुर, (एजेंसी)। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सियन लूंग ने कहा कि उनका देश कोरोना से निपटने के अपने प्रयासों में ढिलाई नहीं बरत सकता क्योंकि यह वायरस नए और अकल्पनीय तरीकों से पैर पसारेगा। सिंगापुर कोरोना के सिंगापुर स्वरूप के बारे में झूठ को लेकर सोशल मीडिया प्रोटेक्शन फ्रॉन ऑनलाइन फॉल्सहुड्स ऐंड मेनिपुलेशन एक्ट (पीओएफएमए) के तहत दिशा निर्देश भी जारी कर रहा है। कोरोना का सिंगापुर स्वरूप भारत तथा सिंगापुर के लिए तब एक कूटनीतिक मुद्दा बन गया जब दिल्ली के मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से सिंगापुर के साथ हवाई सेवाएं तत्काल रोकने का अनुरोध किया। उन्होंने दावा किया कि सिंगापुर में कोरोना वायरस का एक नया स्वरूप पाया गया है जो भारत में तीसरी लहर का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हालांकि सिंगापुर में कोरोना वायरस से 31 लोगों की ही मौत हुई है और उसकी स्थिति स्थिर बनी हुई है लेकिन वह खतरे से बाहर नहीं है क्योंकि संक्रमण के तेजी से फैलने के कारण फिर से पाबंदियां और लोगों के एकत्रित होने के नियमों पर सख्ती लगानी पड़ी। ली ने कहा, हर बार जब भी सोचते हैं कि स्थिति नियंत्रण में है और आपको पता है कि इससे कैसे निपटे तभी यह एक नयी दिशा में शुरू हो जाता है। यह उत्परिवर्तीत हो सकता है, यह नई जगह हो सकता है जहां आपकी नजर नहीं गई हो लेकिन आप ढिलाई नहीं बरत सकते और आपको अपनी कल्पना से आगे का सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया ने अभी तक आत्म निर्भरता की ओर बड़ा कदम नहीं बढ़ाया है न ही सिंगापुर जैसा छोटा-सा देश अपनी सीमाओं को सील करने का जोखिम उठा सकता है। उन्होंने आगाह किया कि किसी भी देश के लिए सबकुछ किनारे पर छोड़ देना बहुत हानिकारक होगा। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री ओंग ये कुंग ने पीओएफएमए कार्यालय को सोशल मीडिया कंपनियों तथा एसपीएच पत्रिकाओं को आम सुधारात्मक दिशा निर्देश जारी करने को कहा है। पीओएफएमए भ्रामक जानकारियों के प्रसार को रोकने से संबंधित है। मंत्रालय ने कहा कि वह विभिन्न मीडिया संगठनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स द्वारा फैलाए जा रहे उस गलत बयान से अवगत है जिसमें कहा गया है कि सिंगापुर में कोरोना का एक अज्ञात स्वरूप सामने आया है और इसके सिंगापुर से भारत में फैलने का खतरा है।

दिल्ली में संक्रमितों, मृतकों के मामले में लगातार कमी

नई दिल्ली (आनंद राय) ।

राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के नए मामलों में लगातार कमी आ रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान गुरुवार शाम तक कोरोना संक्रमण के 3231 नए मामले सामने आए और इस महामारी से 233 और मरीजों की जान चली गई। राजधानी में पॉजिटिविटी दर 5.50 फीसदी रह गई है जबकि मृत्यु दर 1.60 प्रतिशत है।

नये मामलों के साथ ही दिल्ली में सक्रिय मामलों की संख्या 40,214 हो गयी है जबकि उक्त अवधि में 7,831 मरीज कोरोना को मात दे चुके हैं। राजधानी में आज 58,744 मामलों को कोरोना परीक्षण किया गया जिसमें से 43,914 आरटीपीसीआर / सीबीएनएएओ/ ट्रयू नट और 14,830 रैपिड एंटीजन टेस्ट किए गए। राजधानी में संक्रमितों की संख्या 14,09,950 तक पहुंच गयी हे और मृतकों का आंकड़ा 22,579 हो गया है। दिल्ली में आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अस्पतालों में 11,962 कोविड बेड, समर्पित कोविड केयर सेंटर में 5,685 और समर्पित हेल्थ केयर सेंटरों में 515 बेड उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया गया है कि बुधवार को 68,703 लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया जिनमें 61,576 को कोरोना की पहली डोज और 7127 को दूसरा टीका लगाया गया। राजधानी में एक मई से सभी वयस्क कोविड-19 टीकाकरण के लिए पात्र हैं, लेकिन बड़ी आबादी होने के कारण और वैक्सीन की खुराकें कम होने के कारण कम टीके लगाये जा पा रहे हैं।

राजधानी में गत 19 अप्रैल से लॉकडाउन लगाया गया जिसे 24 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस दौरान केवल आपातकालीन और आवश्यक सेवायें ही खुली रहेंगी।

ब्लैक फंगस से बचने के लिए दिल्ली सरकार चलाएगी जागरुकता अभियान, बताएगी इस बीमारी से सेफ रहने के तरीके

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ब्लैक फंगस बीमारी के बढ़ते प्रभाव की रोकथाम को लेकर गुरुवार को कैंप कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक के दौरान ब्लैक फंगस की रोकथाम और मरीजों के इलाज के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सीएम अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि ब्लैक फंगस के मरीजों के इलाज के लिए दिल्ली के तीन अस्पतालों एलएनजेपी, जीटीबी और राजीव गांधी में डेडिकेटेड ट्रीटमेंट सेंटर बनाए जाएंगे। सीएम ने कहा कि ब्लैक फंगस से बचाव को लेकर दिल्ली की जनता को जागरूक किया जाएगा। देश की राजधानी होने की वजह से दिल्ली में अधिक संख्या में मरीज आ सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अवगत कराया कि ब्लैक फंगस के मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाइयों का इंतजाम किया जा रहा है। बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ कई वरिष्ठ डॉक्टर भी मौजूद रहे।

कोरोना मरीजों में यह दूसरी खतरनाक बीमारी ब्लैक फंगस की रोकथाम को लेकर दिल्ली सरकार ने कमर कस ली है। सीएम अरविंद केजरीवाल स्वयं इस पर नजर बनाए हुए हैं और इसकी रोकथाम को लेकर डॉक्टर्स व विशेषज्ञों से सलाह ले रहे हैं। इसी संबंध में मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में ब्लैक फंगस की रोकथाम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में विचार-विमर्श कर निर्णय लिया गया कि दिल्ली में ब्लैक फंगस के आने वाले मरीजों के इलाज के लिए अलग से डेडिकेटेड ट्रीटमेंट सेंटर बनाया जाएगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने एलएनजेपी, जीटीबी और राजीव गांधी अस्पताल में यह डेडिकेटेड ट्रीटमेंट सेंटर बनाने के निर्देश दिए। सीएम ने तीनों अस्पतालों में ब्लैक फंगस के मरीजों के इलाज के लिए डॉक्टर्स की एक-एक टीम बनाने के निर्देश भी दिए। इस टीम में ईएनटी समेत अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल होंगे। यह टीम अपने सेंटर पर ब्लैक फंगस के मरीजों के इलाज पर निगरानी रखेगी।

वहीं, दिल्ली सरकार ब्लैक फंगस के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जल्द ही दिशा निर्देश जारी करेगी और लोगों को बताया जाएगा कि ब्लैक फंगस से कैसे बचा सकता है। इस बीमारी से बचाव के जितने भी उपाय हैं, उसके बारे में लोगों को बताया जाएगा, ताकि जो लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं, उन लोगों को इस बीमारी से बचाया जा सकें। डॉक्टर्स ने ऐसे मरीजों को सुझाव दिया कि ब्लैक फंगस के लक्षण दिखाई देने पर मरीज को तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। बगैर डॉक्टर की सलाह के दवा नहीं लेनी चाहिए।

बैठक में विचार-विमर्श किया गया कि देश की राष्ट्रीय राजधानी होने की वजह से दिल्ली में ब्लैक फंगस का इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या अधिक हो सकती है। इसके मद्देनजर निर्णय लिया गया कि इस बीमारी से संबंधित दवाओं का पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था की जाए। केंद्र सरकार से ब्लैक फंगस के इलाज के लिए दवाइयों का जो कोटा दिल्ली का है, उसे भी जल्द से जल्द प्राप्त करने के निर्देश दिए गए, ताकि दिल्ली में ब्लैक फंगस के आने वाले मरीजों को समय से बेहतर इलाज दिया जा सके। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ब्लैक फंगस के मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाओं के इंतजाम की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

संक्षिप्त खबर

कोवीशील्ड का एक दिन से भी कम का स्टॉक बचा है : आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने कहा कि दिल्ली में 45 वर्ष से अधिक उम्र की श्रेणी के लिए कोवैक्सीन का 2 दिन और कोवीशील्ड का 9 दिन का स्टॉक बचा है। दिल्ली के पास 18 से 44 वर्ष के युवाओं के लिए कोवीशील्ड का एक दिन से भी कम का स्टॉक बचा है। ऐसे में आधे से भी ज्यादा वैक्सीनेशन साइट्स कल से बंद हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि 45 वर्ष से अधिक उम्र की श्रेणी के लिए 50 हजार कोवीशील्ड की डोज भेजी गई हैं, जो कि गुरुवार को मिल जाएंगी। कोरोना की दूसरी लहर में बहुत बड़ी संख्या में युवा महामारी से प्रभावित हुए है। केंद्र सरकार से अपील है कि जल्द से जल्द वैक्सीन उपलब्ध कराए। 45 वर्ष से अधिक उम्र की श्रेणी के लिए वॉक इन वैक्सीनेशन सेंटर शुरू कर दिए गए हैं। हमारी अपील है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग आगे आकर वैक्सीनेशन करवाएं।

अस्पताल में मरीजों के साथ आए परिजनों को भोजन वितरित किया

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने आज उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिंदू राव अस्पताल में मरीज़ों के साथ आए परिजनों को भोजन वितरित किया। इस अवसर पर पूर्व महापौर अवतार सिंह भी उपस्थित थे। जय प्रकाश ने कहा कि जब से कोरोना संक्रमण का यह दौर शुरु हुआ है तब से हमारे साथी विभिन्न स्थानों पर लोगों को भोजन वितरित कर उनकी सहायता कर रहे हैं ताकि कोई भी व्यक्ति इस संकट के दौर में परेशान न हों। उन्होंने बताया कि हिंदू राव अस्पताल में मरीज़ों के साथ आए परिजनों को पिछले एक महीने से भोजन वितरित किया जा रहा है। महापौर जयप्रकाश ने इस अवसर पर हिंदू राव अस्पताल में टीकाकरण केंद्र का भी निरीक्षण किया।

दक्षिणी निगम ने संपत्ति कर दाताओं के लिए मोबाइल एप्लीकेशन लांच की

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने गुरुवार को दिल्ली के संपत्ति कर दाताओं की सहूलियत के लिए एक नई मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च की है। यह मोबाइल एप्लीकेशन दिल्ली के तीनों नगर निगमों दक्षिणी,उत्तरी व पूर्वी के संपत्ति कर दाताओं के लिए आरंभ की गई है। इस एप्लीकेशन को आरंभ करने का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में कोरोना महामारी एवं उसके प्रसार से उत्पन्न परिस्थितियों में नागरिकों को संपत्ति कर जमा कराने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न उठाना पड़े तथा वो अपने घर बैठे ही इसे भर सकें।

यूपीएससी की तैयारी कर रहे एएसआई के बेटे ने की खुदकुशी

नई दिल्ली (संवाददाता)।

मालवीय नगर स्थित पीटीएस कॉलोनी में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक 22 साल का संदीप यूपीएससी की तैयारी कर रहा था और उसके पिता दिल्ली पुलिस में बतौर एएसआई तैनात है। देर रात पुलिस को घटना की सूचना अस्पताल से मिली, जिसके बाद संदीप के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को दे दिया है। शुरूआती जांच के बाद पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, जिस कारण खुदकुशी की वजह साफ नहीं हो सकी। फिलहाल मालवीय नगर पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक संदीप अपने परिवार के साथ मालवीय नगर स्थित पीटीएस कॉलोनी में रहता था। परिवार में पिता परविंदर सिंह के अलावा माँ और छोटी बहन शामिल है। परविंदर सिंह दिल्ली पुलिस की स्पेशल ब्रांच में एएसआई के पद पर तैनात हैं। जबकि मृतक की बहन एमबीबीएस की तैयारी कर रही है और वह खुद यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। बुधवार देर रात 1 बजकर 11 मिनट पर पुलिस को सूचना मिली संदीप नाम के एक युवक को एम्स ट्रॉमा सेंटर में अचेत हालत में लाया गया है, जहां उसकी मौत हो गई है। सूचना के बाद मालवीय नगर थाना पुलिस ने जांच शुरू की और परिजनों ने बताया कि संदीप ने घर में एक कमरे के अंदर पंखे से लटक फांसी लगायी थी। बीती रात नौ बजे सबने एक साथ खाना खाया, जिसके बाद संदीप अपने कमरे में चला गया। रात करीब साढ़े ग्यारह बजे संदीप के पिता उसके कमरे में कुछ सामान लेने के लिए गए, तो उसने दरवाजा नहीं खोला। बार बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी अंदर से कोई जवाब नहीं आया।

एक शक ने युवक को बना दिया भाभी का कातिल, पूछताछ में पुलिस को बताई हत्या की वजह

नई दिल्ली । सिविल लाइन इलाके में देवर ने चाकू से अपनी ही भाभी की गर्दन काट कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित फरीद को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसे लगता था कि उसकी बहन के दांपत्य जीवन को तबाह करने में उसकी भाभी का हाथ है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू को बरामद कर लिया है। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त एंटो अल्फोंस ने बताया कि 17 मई को अरुणा आसफ अली अस्पताल से सूचना मिली कि नुसरत नाम की महिला की गर्दन काट कर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने महिला के पति जरीफ खान की शिकायत पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की।

जरीफ सिविल लाइन इलाके में रहते हैं और घर के पास ही दुकान चलाते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके छोटे भाई फरीद को लगता था कि बहन के दांपत्य जीवन को खराब करने में नुसरत का हाथ है। इसको लेकर नुसरत और फरीद के बीच विवाद चल रहा था। गत सोमवार सुबह आठ बजे फरीद चाकू लेकर घर आया और नुसरत के कमरे गया। वहां पर उसने नुसरत की गर्दन पर चाकू से वार कर मौके से फरार हो गया। घायल नुसरत चीखते-चिल्लाते घर से बाहर निकली और अपने पति की दुकान की तरफ जाने लगी। इस दौरान वह दुकान के पास पहुंचते ही बेहोश होकर गिर गई। जरीफ ने नुसरत को अरुणा आसफ अली अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई।

मामले की जांच के लिए एसीपी राजेंद्र सिंह की देखरेख में एसएचओ अजय कुमार के नेतृत्व में एसआइ प्रवीण, हवलदार अंकुश, सिपाही सचिन की टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने जानकारी जुटाई तो पता चला कि आरोपित बुधवार सुबह बोंटा पार्क में किसी से मिलने आ रहा है। ऐसे में पुलिस टीम ने आरोपित को पार्क से दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि वह दिल्ली से बाहर भागने की फिराक में था, लेकिन उसके पास रुपये नहीं थे। ऐसे में वह रुपये का इंतजाम कर रहा था। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऑक्सीजन सिलेंडर आपूर्ति करने के नाम पर ठगे 1.50 करोड़ रुपये, चार शातिर ठग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच इंटर स्टेट सेल ने नालंदा, बिहार के रहने वाले छोटू चौधरी गिरोह के चार शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य देशभर में 300 जरूरतमंदों को ऑक्सीजन सिलेंडर आपूर्ति करने के नाम पर 1.50 करोड़ रुपये की ठगी कर चुके हैं। इनमें कई पीड़ित दिल्ली के भी रहने वाले हैं। इंटरनेट मीडिया पर मोबाइल नंबर से साथ कोविड हेल्प के नाम से अपना पोस्ट डाल गिरोह के ये शातिर अलग - अलग तरीके से जरुरतमंदो को शिकार बना रहे थे। सिलेंडर के इच्छुक लोगों की सुविधा अनुसार उनसे अलग- अलग तरीके से ऑनलाइन भुगतान मांगते थे।

दिल्ली पुलिस प्रवक्ता डीसीपी चिन्मय बिस्वाल के मुताबिक इस गिरोह को दबोचकर क्राइम ब्रांच ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब कई लोग इस गिरोह के शिकार बनने से बच जाएंगे।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर शिबेश सिंह के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम दीपक, पंकज, श्रवण व मिथिलेश है। चारों पालिनी गांव, मनपुर, नालंदा, बिहार के रहने वाले हैं और उसी गांव के रहने वाले सरगना छोटू चौधरी के लिए काम करते थे। इनके पास से 21 मोबाइल, 22 सिमकार्ड, अलग अलग बैंकों के 23 एटीएम व एक लैपटॉप बरामद किए गए हैं। इनमें नौ मोबाइल फोन इन्होंने ठगी की वारदात के लिए फर्जी दस्तावेजों के जरिये खरीदे थे। जब्त लैपटॉप को ठगी के धंधे में इस्तेमाल किया जाता था। इसके कई बैंक खातों को सीज करा दिया दिया गया। जिनसे 1.30 करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ था। बैंक खाते और सिम लेने में इस्तेमाल किये गए कई आधार कार्ड व मतदाता पहचान पत्र भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस का कहना है कि आरोपितों ने 300 लोगों से ऑक्सीजन सिलेंडर आपूर्ति करने के नाम पर 1.50 करोड़ रुपये की ठगी करने की बात स्वीकार की है। कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ जब देश में मेडिकल ऑक्सीजन की संकट होने लगी। दवाई और अन्य चिकित्सा उपकरणों का भी अभाव होने लगा। तब आपदा के ऐसे समय में ठगों ने लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर, दवाई, व अन्य चिकित्सा उपकाण दिलाने के नाम पर ठगी करना शुरू कर दिया। दिल्ली पुलिस के पास अनेकों शिकायत आने पर पुलिस आयुक्त एस एन श्रीवास्तव ने पुलिस मुख्यालय में कोविड हेल्पलाइन बना दिया। उस हेल्पलाइन पर करीब 500 शिकायतें आई जिसकी जिला पुलिस व क्राइम ब्रांच ने जांच की और बड़ी संख्या में कई गिरोह को दबोचा। उनसे बड़ी संख्या में ऑक्सीजन सिलेंडर और दवाइयां बरामद की।क्राइम ब्रांच को एक शिकायत मिली थी। जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया था कि उनके एक रिश्तेदार को ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत थी।

राजेंद्र पाल गौतम ने बालगृहों का किया दौरा

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली के महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने गुरुवार को दक्षिणी दिल्ली जिले के कस्तूरबा निकेतन परिसर स्थित सभी बालगृहों का दौरा किया। मंत्री राजेंद्र पाल गौतम, दिल्ली के अलग-अलग जिलों में स्थित सभी चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूट में औचक निरीक्षण कर वहां मानक के अनुसार बच्चों को दी जा रही सभी सुविधाओं की लगातार जांच पड़ताल कर रहे हैं। कैबिनेट मंत्री राजेंद्र पाल गौतम बृहस्पतिवार को दक्षिणी दिल्ली जिले के कस्तूरबा निकेतन परिसर पहुंचे और वहां पूरे परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई और रख-रखाव का जायजा लिया। उन्होंने वहां मौजूद बच्चों से बातचीत की और उन्हें दी जा रही सुविधाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने बच्चों से कहा कि अगर उन्हें किसी प्रकार की कोई असुविधा या परेशानी हो रही है तो, वह खुल कर बताएं, ताकि उसे दुरूस्त किया जा सके और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जा सके। कैबिनेट मंत्री ने दौरे के दौरान मौजूद अधिकारियों और अधीक्षक को स्पष्ट निर्देश दिए कि पूरे परिसर में रख रखाव आदि से संबंधित सभी तरह कमियों को तुरंत दुरुस्त किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि यहां बच्चों को घर जैसा माहौल मिले। साथ ही सभी स्टाफ और अधिकारी बच्चों के साथ बहुत ही प्यार से पेश आएं।

बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी हमारी जिम्मेदारी है : राजेंद्र पाल गौतम

महिला ने बेटी और प्रेमी संग रची पति की हत्या की साजिश, गिरफ्तार

नई दिल्ली (संवाददाता)। छावला के भरथल गांव में 17 मई की देर रात एक महिला ने अपने प्रेमी और बेटी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रच दी। महिला के कहने पर बेटी से फोन कर पिता को घर से बाहर बुलाया और फिर उसके प्रेमी ने चाकू से गोद कर 46 वर्षीय अशोक की हत्या कर दी। सूचना के बाद पहुंची छावला थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की और मृतक की सीडीआर की मदद से तीनों आरोपियों को दबोच लिया। आरोपी विरेन्द्र ने बताया कि उसका मृतक की पत्नी और बेटी दोनों के साथ अवैध संबंध था। ऐसे में अशोक की पत्नी ने हत्या की साजिश रची थी। अशोक अवैध संबंधों की जानकारी होने पर अपनी पत्नी का विरोध करता था। पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने बताया कि 17 मई की देर रात छावला थाना पुलिस को एक व्यक्ति की हत्या की सूचना मिली। सूचना के बाद पहुंची छावला थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मौके पर मिली मृतक की बाइक की मदद से उसकी पहचान भरथल गांव के रहने वाले अशोक कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और मृतक की काल डिटेल की जानकारी जुटाई।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने बुराड़ी के टीकाकरण केंद्र पर किया राशन वितरण

(एजेंसी)

नई दिल्ली । प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद मनोज तिवारी ने आज बुराड़ी टीकाकरण केंद्र पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे अभियान सेवा ही संगठन के तहत जरूरतमंदों को मुफ्त में जूस, काढ़ा, मास्क एवं सूखे राशन की किट का वितरण किया।

इस मौके पर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्री अशोक गोयल देवराहा, प्रदेश प्रवक्ता आदित्य झा, जिला अध्यक्ष मोहन गोयल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रवक्ता ब्रिजेश राय ने किया। आदेश गुप्ता ने कहा कि बीते वर्ष महामारी के प्रकोप के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र सरकार की ओर से जरूरतमंदों को मुफ्त राशन देने की योजना के तहत पूरे 1 वर्ष दिल्ली को राशन मुहैया कराया था, लेकिन दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार की वितरण प्रणाली में बड़ी खामियों के चलते कई लोगों को इसका लाभ नहीं मिल सका था या दिल्ली सरकार द्वारा जानबूझकर जरूरतमंदों को समय पर राशन नहीं पहुंचाया गया जिसके चलते बड़ी संख्या में गरीबों का पलायन दिल्ली और देश ने देखा था। इस बार भी महामारी के प्रकोप के चलते लगे लॉक डाउन को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की है कि दिल्ली के उन गरीब परिवारों को जो लॉकडाउन से प्रभावित हुए हैं केंद्र सरकार 2 महीने मुफ्त में राशन देगी लेकिन केंद्र सरकार कि इस योजना पर अपना राजनैतिक लेवल लगाने के चक्कर में दिल्ली सरकार किंतु परंतु कर गरीबों के इस हक पर डाका डालने की फिराक में है।

नई दिल्ली में कोविड -19 लॉकडाउन के दौरान लोग बंदरों को केला खिलाते हुए।

लाकडाउन में बाहर घूमने से मना किया तो पुलिसकर्मियों से की मारपीट

नई दिल्ली । कालकाजी थाना क्षेत्र में तैनात दो पुलिसकर्मियों को लाकडाउन के दौरान सड़क पर बेवजह घूम रहे दो युवकों को मना करना भारी पड़ गया। पुलिसकर्मियों के रोकने पर युवकों ने उन पर ही हमला बोल दिया। आरोपितों की दो बहनों ने भी सड़क पर जमकर उपद्रव किया। स्थानीय लोगों की सहायता से पुलिस ने युवकों को काबू किया। युवकों की पहचान डीडीए फ्लैट निवासी आकाश और सौरभ के रूप में की गई है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 10 मई की शाम को कालकाजी थाने में तैनात सिपाही आनंद और सहायक उपनिरीक्षक योगेंद्र डीडीए फ्लैट के पास गश्त कर रहे थे। तभी दो युवक सड़क पर बेवजह घूमते नजर आए। पुलिसकर्मियों के रोकने पर दोनों युवक उनसे हाथापाई करने लगे। इसी दौरान पास में ही रहने वाली उसकी दो बहनें सड़क पर आ गई और पुलिस की ओर से अधिकृत डीटीसी बस पर लाठी-डंडों से हमला करने लगीं। इस घटनाक्रम में सिपाही आनंद भी मामूली रूप से घायल हो गए। उन्हें एम्स ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई है। आनंद की शिकायत पर कालकाजी थाने में मुकदमा दर्ज कर दोनों युवकों को जेल भेज दिया गया है।

वहीं, कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस ने सरेराह शराब बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपित सिविल डिफेंस वालेंटियर है, वहीं एक अन्य आरोपित से पुलिस को एक मीडिया संस्थान का पहचान पत्र मिला है। गिरफ्तार युवकों की पहचान अमित मलिक, रामाशीष, पवन कौशिक और मोहित बैसोया के रूप में की गई है। आरोपित एम्स के गेट नंबर दो के बाहर महंगी कीमत पर शराब बेचने की फिराक में थे, लेकिन इसी दौरान पुलिस को इसकी भनक लग गई थी। दक्षिणी जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस को मंगलवार देर रात 10.30 बजे सूचना मिली थी कि कुछ लोग एम्स के गेट नंबर दो के बाहर शराब की आपूर्ति करने के लिए आने वाले हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर आरोपितों को दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपित मोहित बसौया सिविल डिफेंस वालेंटियर है, जबकि पवन कौशिक के पास से एक मीडिया संस्थान का पहचान पत्र मिला। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर 42 बोतल बीयर, 18 बोतल महंगी शराब, एक टोयटा फार्च्यूनर कार और तीन स्कूटी जब्त की है। मोहित लोगों को शराब बेचने में मदद कर रहा था। साथ ही उसने भरोसा दिया था कि यदि पुलिस उन्हें पकड़ने की कोशिश करती है तो वहां से भगाने में उनकी मदद करेगा।

संपादकीय

प्लाज्मा थेरेपी पर फैसला

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने प्लाज्मा थेरेपी को कोविड-19 के लिए स्वीकृत इलाज की सूची से हटाने का फैसला किया है। पिछले साल भारत में हुए एक बड़े अध्ययन में पाया गया था कि प्लाज्मा थेरेपी से कोविड-मरीजों को कोई फायदा नहीं होता। इसके बावजूद आईसीएमआर के दिशा-निर्देशों में इलाज का यह तरीका बना रहा। इसके बाद भी कई अध्ययनों से यही निष्कर्ष निकला कि इससे न तो कोविड संक्रमण की गंभीरता कम होती है, और न ही मरीज के जल्दी स्वस्थ होने की कोई उम्मीद होती है। पिछले दिनों ब्रिटेन में पांच हजार मरीजों पर एक बड़ा अध्ययन किया गया, जिसके नतीजे 14 मई को प्रतिष्ठित चिकित्सा पत्रिका लैन्सेट में छपे हैं। ये नतीजे भी यही बताते हैं कि कोविड-19 के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी की कोई उपयोगिता नहीं है। कुछ समय पहले भारत के कई प्रमुख डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने केंद्र सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार डॉक्टर के विजय राघवन को चिट्ठी लिखकर प्लाज्मा थेरेपी को मान्यता प्राप्त इलाज की सूची से हटाने की मांग की थी। इन वैज्ञानिकों का कहना था कि प्लाज्मा थेरेपी अतार्किक व अवैज्ञानिक है और इसका कोई लाभ नहीं है। इसके अलावा, कोरोना के दौर में प्लाज्मा हासिल करना भी मुश्किल काम है। मरीजों के परिजनों को इसके लिए बेवजह ही भटकना पड़ता है। इन वैज्ञानिकों ने एक और गंभीर खतरे की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि प्लाज्मा थेरेपी के अनियंत्रित इस्तेमाल से हो सकता है कि वायरस के कहीं ज्यादा खतरनाक नए रूप पैदा हो जाएं। इन सब प्रमाणों और चेतावनियों के मद्देनजर आईसीएमआर ने प्लाज्मा थेरेपी को हटाने का फैसला किया है। हालांकि, हम नहीं कह सकते कि प्लाज्मा थेरेपी का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद हो जाएगा, क्योंकि कोविड के इलाज के लिए डॉक्टर और मरीजों के परिजन अक्सर जो भी इलाज संभव होता है, वह करते हैं, चाहे उसका असर प्रमाणित हो या न हो। लेकिन समझदार डॉक्टर इसका इस्तेमाल करने से बचेंगे और मरीज के परिजन प्लाज्मा हासिल करने की जद्दोजहद से।

जब प्लाज्मा थेरेपी को मान्यता दी गई थी, तब भी इसकी विश्वसनीयता असंदिग्ध नहीं थी। तब कोरोना की पहली लहर तबाही मचा रही थी और इसके इलाज के बारे में बहुत कम जानकारी थी। लोग हर उस इलाज को आजमाने को तैयार थे, जिससे कुछ भी उम्मीद हो। प्लाज्मा थेरेपी के पीछे तर्क यही था कि जो लोग कोरोना से उबर जाते हैं, उनके रक्त में कोविड-19 के खिलाफ एंटीबॉडी बन जाती हैं, जो उनकी कोरोना से रक्षा करती हैं। यदि कोरोना से उबरे हुए व्यक्ति के रक्त का प्लाज्मा किसी मरीज को चढ़ाया जाए, तो ये एंटीबॉडी वहां कोरोना के खिलाफ लड़ने में कारगर हो सकती हैं। यह तर्क सुनने में जितना जायज लगता है, व्यवहार में उतना कारगर साबित नहीं हुआ। वैसे भी, आईसीएमआर ने इसे 'ऑफ लेबल' इलाज के तौर पर मान्यता दी थी, जिसका तकनीकी मतलब जो भी हो, व्यावहारिक मतलब यही था कि इसके असर के बारे में पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। कोरोना का बहुत विश्वसनीय इलाज ढूंढने की जद्दोजहद अब भी जारी है, इस बीच चिकित्सा विज्ञान भी बहुत कुछ सीख रहा है, अपनी कामयाबियों से, और कुछ अपनी गलतियों से। यह भी एक ऐसा ही उदाहरण है।

वैक्सीनेशन से चमकते शेयर

सोमवार को बीएसई सेंसेक्स में 848 अंक से ज्यादा का उछाल आया। तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स में संक्रमण के घटते मामलों और बैंक शेयरों में मजबूत लिवाली से जोरदार तेजी दर्ज की गई। सोमवार को सेंसेक्स 1.74 प्रतिशत बढ़कर 49,580.73 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 245.35 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 14,923.15 अंक पर बंद हुआ। इंड्सइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचड़ीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व और अल्ट्राटेक सीमेंट में तेजी सेंसेक्स में उछाल की सबब बनी। शेयर बाजार अनिश्चितताओं से घिरा रहता है, लेकिन प्रायः कुछ आकलन सटीक साबित होते हैं। इस सप्ताह के लिए कहा जा रहा था कि शेयर बाजार की चाल कोरोना संक्रमण की स्थिति, टीकाकरण अभियान की गति और वैश्विक बाजार की प्रवृत्ति से तय होगी। विश्लेषक यह भी कह रहे थे कि सूचीबद्ध कंपनियों के तिमाही परिणाम भी शेयर बाजार की तेजी तय करने के बड़े कारक होंगे। देखा गया है कि किन्हीं बड़ी गतिविधियों के अभाव में निवेशकों की नजर प्रायः वैश्विक शेयर बाजारों के प्रदर्शन, अमेरिका में बांड़ प्रतिफल, अमेरिकी ड़ॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल के दाम पर रहती है। कहने की जरूरत नहीं कि कोविड़-19 के संक्रमण मामलों की स्थिति और टीकाकरण अभियान की गति पर भी निवेशकों का ध्यान रहना है। इन सब कारकों पर कंपनी प्रबंधनों की टिप्पणियों को भी निवेशक ध्यान में रखते हैं। अभी वस्तुस्थिति है कि संक्रमण के मामले बढ़ने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने मजबूती दिखाई है, लेकिन पक्की बात है कि संक्रमण की स्थिति बिगड़ती है, तो शेयरों में मजबूती लंबे समय कायम नहीं रह सकेगी। निश्चित ही टीकाकरण अभियान की गति शेयरों में मजबूती का सबब बनेगी क्योंकि इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। संक्रमण के कम होते मामलों से उनमें उत्साह का संचार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार की सुबह जारी आंकड़े के मुताबिक, देश में पिछले 24 घंटे में कोविड़-19 के 2,81,386 नये मामले सामने आए। पिछले 27 दिनों में किसी एक दिन में सामने आए ये सबसे कम नये मामले हैं। कह सकते हैं कि मई के अंत या जून के मध्य तक कोविड़-19 की दूसरी लहर में कमी का अनुमान सही जान पड़ता है।

प्रवीण कुमार सिंह

ट्रैक्टर का भूत

नाव के किनारे तक पहुंचते-पहुंचते प्रोफेसर ने उस उजाड़ कमरे का रहस्य भी जान लिया जिसे हमने चम्बल नदी तक पहुंचने से पहले ढूहों के बीच बड़े अचरज से देखा था। नाव चला रहे किसान ने बताया कि वहां भूत रहते हैं। उसने खुद भी रात के समय कई बार भूतों के चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनी हैं। किसान का खयाल था कि भूत अकेला नहीं है, भूत का पूरा परिवार है। कभी औरत के गाने की आवाज आती है, कभी आदमी के चीखने की और कभी बच्चों की किलकारियां सुनाई देती हैं। कुछ लोगों ने तो इन भूतों को देखा भी है, बातें भी की हैं। कभी-कभी तो ये भूत अंग्रेजी भी बोलते हैं।

हम लोग समझ गए कि भूतों का रहस्य क्या है? प्रोफेसर मुझसे अंग्रेजी में बोले-यानी कि रेत-माफिया ने डाकुओं के क्लोन की तरह भूतों के क्लोन भी रच दिए हैं। प्रोफेसर ने जब पूछा कि इस उजाड़ में यह कमरा किसने बनवाया होगा तो किसान ने अपनी स्थानीय हिंदी में जो कुछ बताया उसे मैंने इस तरह समझा-'बरसों पहले यहां एक फिल्म की शूटिंग हुई थी। शूटिंग के बाद उनका एक आदमी यहीं रह गया। कहते हैं कि यह कमरा उसी ने बनवाया था। उसके पास एक बुलेट मोटर-साइकल भी थी। फिर एक दिन एक औरत और दो बच्चे भी आ गए। गांव के एक लुहार ने उन्हें देखा था। लुहार ने ही गांव वालों को बताया था कि एक चांदनी रात जब वह आदमी, औरत और बच्चे चम्बल के किनारे टहल रहे थे तभी एक बिना ड्राइवर वाला ट्रैक्टर उन्हें कुचल गया। उसी रात से गांव में ट्रैक्टर के भूत की कथा है। तब से न गांव का कोई इनसान उधर जाता है न कोई जानवर। गांव में यही मान्यता है कि वह कमरा भूतों का डेरा है। जो भी वहां जाता है भूत बन जाता है। इस भूत-बाध से बचने के लिए गांव वाले बरसों पहले से दुर्घटनाग्रस्त हुए एक ट्रैक्टर को ट्रैक्टर-देवता मानकर पूजते हैं ताकि गांव पर ट्रैक्टर के भूत की छाया न पड़े।' किसान का कहना था कि जब-जब किसी चांदनी रात को ट्रैक्टर के चलने और भूतों के रोने-चीखने की आवाजें सुनाई देती हैं, तब-तब गांव वाले ट्रैक्टर-देवता के लिए एक विशेष पूजा की आयोजना करते हैं। किसान की इस भूत-गाथा में हमें रेत-खनन माफिया की गहरी साजिशें सुनाई दे रही थीं।

काश! अपने पांव पर खड़े होते गांव

कोरोना का घातक प्रसार देश के गांवों में भी पहुंच चुका है। शहर, शहर से लगे कस्बों, बाजारों से होता हुआ यह वायरस अब दूरस्थ गांवों में भी अपने पांव फैलाने लगा है। कोरोना की पहली लहर में उत्तर भारत के गांव बहुत प्रभावित नहीं हुए थे। तब लगा था कि 'इंडिया' के प्रभावी उपायों से ग्राम-अंचलों में फैला 'भारत' बच जाएगा। पर ऐसा न हो सका। आज गांवों की गलियों में मृत्यु को घूमते-टहलते आप आसानी से देख सकते हैं। भारतीय गांवों की सबसे बड़ी मजबूरी है- शहरों पर उनकी निर्भरता। गांव के लोग प्रवासी मजदूर, कामगार बनकर शहरों, महानगरों में जाने और वहां से लौटने को विवश हैं। शहरों में अन्न, सब्जी, दूध बेचने जाना और वहां से दैनंदिन जीवन की अनेक जरूरी वस्तुओं का गांवों में आना ग्रामीण जीवन की मजबूरी है। इन्हीं लोगों और उत्पादों के साथ संक्रामक बीमारियां गांवों में पहुंचती, पांव पसारती रही हैं। हैजा, चेचक जैसी अनेक संक्रामक बीमारियां और उनके जानलेवा विषाणु औपनिवेशिक काल में भी सैनिकों के साथ परेड करते जिला केंद्रों के सिविल लाइन्स (ब्रिटिश सैनिकों के रहने के लिए विकसित क्षेत्र) से उड़कर शहरी आबादी में पहुंचते थे। फिर शहरी आबादी से गांवों में।

महात्मा गांधी पश्चिम-उत्प्रेरित शहरीकरण के इस दुश्चक्र को अच्छी तरह समझ चुके थे। वह कहते थे, भारत का भविष्य भारतीय गांवों से जुड़ा है। गांव बचेंगे, तो भारत बचेगा। पश्चिम से प्रभावित आधुनिकीकरण और उसके सर्वग्रासी संकट को समझते हुए उन्होंने अपने उपनिवेशवाद विरोधी आजादी के संघर्ष के साथ भारतीय गांवों के पुनर्निर्माण के अभियान को मजबूती से जोड़ा था। वह शहरों पर निर्भरता के दुश्चक्र से मुक्त 'आत्मनिर्भर गांव' विकसित करना चाहते थे। सन 1945 में जवाहरलाल नेहरू को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा था, 'मेरा आदर्श गांव अब भी मेरी कल्पनाओं में ही अवस्थित है। मैं भारत में एक ऐसी ग्राम-व्यवस्था और संस्कृति का विकास चाहता हूं, जो एक जागरूक गांव विकसित कर सके। ये शिथिल चेतना वाले गांव न हों; ये अंधेरे से भरे गांव न हों, ये ऐसे गांव न हों, जहां जानवरों के गोबर चारों तरफ फैले रहते हों। ये ऐसे गांव हों, जहां स्त्री-पुरुष आजादी के साथ रह सकें।' इसी पत्र में उन्होंने आगे लिखा है कि मैं ऐसे गांव विकसित करना चाहता हूं, जो हैजा, प्लेग जैसी महामारियों से मुक्त रहें। जहां कोई आरामतलब एवं बेकार न हो। जहां सभी श्रमशील रहें और सबके पास काम रहें। ऐसे गांवों के पास से रेल लाइनें भी गुजरें, और इनमें पोस्ट ऑफिस भी हों। गांधी भारतीय गांवों को साफ-सुथरा, महामारियों से मुक्त रिहाइश के रूप में विकसित करना चाहते थे। इसके लिए अपने पड़ोसी शहर पर गांवों की निर्भरता बढ़ाने के चक्र को वह तोड़ देना चाहते थे। वह गांवों से हो रहे पलायन की प्रक्रिया को रोकना चाहते थे। इसके लिए वह कृषि के साथ ही स्थानीय उत्पादों पर आधारित ग्रामीण उद्योगों को विकसित करना चाहते थे। वह चाहते थे कि गांव में आत्मतोष का भाव विकसित हो, और जहां जिसकी जितनी जरूरत हो, उतना वह उपभोग करे और अपने उत्पाद दूसरों से आदान-प्रदान करे। महात्मा गांधी उस बड़ी बचत की चाह को गांवों से खत्म करना चाहते थे, जो पूंजीवाद की खुराक बनकर उसे पोषित करता है। गांधी के गांव में शहरों से ज्यादा कुछ खरीदने की अपेक्षा नहीं थी। वह तो ग्रामीण उद्योगों के लिए कच्चा माल भी दूर से मंगाने के बजाय स्थानीय स्तर पर उगाए जाने की वकालत करते थे।

> आज जब कोरोना गांव-गांव तक फैल रहा है, तब हमें अपने विकास संबंधी आत्ममंथन में महात्मा गांधी के इस महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को याद करना ही चाहिए।

भारतीय गांवों की आत्मनिर्भरता और शहरों में जाने-आने की बढ़ती जरूरतों को नियंत्रित करने के लिए गांधी का मानना था कि गांव में प्राथमिक से लेकर विद्यापीठ तक स्थापित करने होंगे। उनका मानना था कि प्रारंभिक शिक्षा के बाद ग्रामीण विद्यार्थियों को शहरों में आकर माध्यमिक व उच्च शिक्षा लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वह इस मजबूर गतिशीलता पर रोक लगाना चाहते थे। गांधी की परिकल्पना का 'आत्मनिर्भर गांव' वस्तुतः उनका मिशन था, जिसे वही नहीं, बल्कि पूरी गांधीवादी सामाजिक राजनीति सच बनाने में लगी थी। विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण, जे सी कुमारप्पा जैसे लोग आजादी के बाद बापू के 'ग्राम-स्वराज' और आत्मनिर्भर गांव के सपने को सच करने में जीवन-पर्यंत लगे रहे।

महात्मा गांधी की यह परिकल्पना विकास की संपूर्ण दृष्टि और कार्ययोजना थी। इसमें आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक दृष्टियों का समन्वय भी था। गांधी के कई अनुयायियों ने देश के विभिन्न भागों के गांवों में गांधीवादी संकल्पना से काम भी किया। एपीजे अब्दुल कलाम ने इसी सोच को अपने ढंग से विकसित करके एक रूपरेखा रखी थी, जिसमें गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश थी। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता नानाजी देशमुख, अन्ना हजारे भी अपने-अपने ढंग से महात्मा गांधी के इसी सपने को आगे बढ़ाते रहे। अटल बिहारी वाजपेयी ने तो अपने प्रधानमंत्रित्व काल में गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं प्रारंभ की थीं। किंतु महात्मा गांधी का सपना साकार न हो सका, क्योंकि भारतीय राज्य आजादी के बाद से संगठित ढंग से जिस आर्थिक नीति पर चलता रहा, वह भारी उद्योगों, पश्चिमी आधुनिकता और शहरीकरण की प्रक्रिया को बल दे रहा था। शायद इसीलिए गांधी के सपने के बिल्कुल उलट विकास की प्रक्रिया चली। परिणाम यह हुआ है कि भारत में शहरीकरण तेज होता जा रहा है और अब तो ग्रामीण अंचलों में भी शहरीकरण का प्रसार होता जा रहा है। अगर आजादी के तुरंत बाद से भारतीय राज्य गांधी के 'ग्राम-स्वराज' और 'आत्मनिर्भर ग्राम' की अवधारणा पर काम करता, तो भारतीय समाज का विकास उस दिशा में हुआ होता, जहां घातक संक्रमणों से मुक्त भारतीय गांव बन पाता। आज अपनों को खोने का जो रुदन गांवों में सुनाई पड़ रहा है, उसमें कहीं न कहीं महात्मा गांधी की भी पीड़ा शामिल है। उसमें एक आह छिपी है कि काश! भारत में ऐसा ग्राम-स्वराज बन पाता, जो जातिवादी हिंसा, छुआछूत और आधुनिकता की अनेक बुराइयों व संक्रमण से मुक्त आधार क्षेत्र की तरह विकसित हो पाता। आज जब कोरोना गांव-गांव तक फैल रहा है, तब हमें अपने विकास संबंधी आत्ममंथन में महात्मा गांधी के इस महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को याद करना ही चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रोगियों के हमदर्द डॉक्टर के जाने का दर्द

प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ एवं पद्मश्री से सम्मानित डॉ. के.के. अग्रवाल ने न केवल अपनी सकारात्मक बातचीत से हजारों टूटे हुए दिलों को जोड़ा बल्कि लाखों रोगियों के चेहरे पर मुस्कान भी लेकर आए। उनसे मिलने के बाद गंभीर से गंभीर रोगी को एक शक्ति और उम्मीद मिल जाती थी। उसे विश्वास हो जाता था कि वह बीमारी को मात दे देगा। जब डाक्टरी पेशे को कुछ स्तरों पर पतित किया जा रहा है तब डॉ. के.के. अग्रवाल एक मीठी हवा के झोंके के समान थे।

पर वे कोरोना के शिकार हो गए। पिछले लगभग एक वर्ष से भी अधिक समय से वह प्रतिदिन लगभग आठ-दस घंटे ऑनलाइन रहते हुए कोरोना के बारे में लोगों का ज्ञानवर्धन करते रहते थे। वह लगातार 30-35 सालों से देश में स्वास्थ्य के प्रति जनचेतना और उसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा को भारतीय दर्शन से जोड़ा। उन्होंने ही राजधानी और देश के अन्य भागों में स्वास्थ्य मेले आयोजित करवा कर आमजन को दिल से जुड़ी बीमारियों को लेकर जागरूकता पैदा की।

वे उन डाक्टरों से नाराज रहते थे जो रोगी को टेस्ट पर टेस्ट करवाने के लिए कहते हैं। वे निजी बातचीत में कहते थे कि कुछ डॉक्टर जल्दी से पैसा कमाने के चक्कर में रोगी को ग्राहक मानने लगे हैं। इसके कारण ही डाक्टरों और रोगियों के आपसी संबंध पहले जैसे मधुर नहीं रहे। इनमें एक अविश्वास पैदा हो गया है। डाक्टरों का समाज में पहले वाला सम्मान नहीं रहा। इसकी एक वजह ये भी है कि रोगी को टेस्ट के नाम पर लूटा जाता है। उन्होंने टेस्ट ही टेस्ट और मेडिकल पेशे में बढ़ती अनैतिकता को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) का अध्यक्ष रहते हुए भी उठाया। इस लिहाज से वे सच बोलने में बहुत निर्भीक थे। उन्होंने इस बात की कतई परवाह नहीं कि उनसे उनकी बिरादरी ही खफा हो जाएगी।

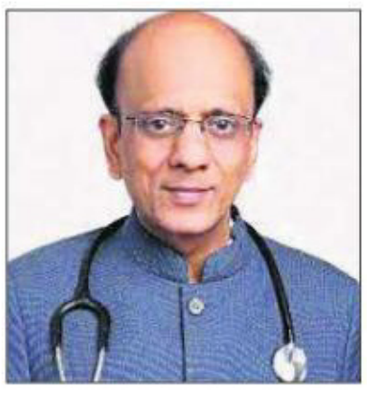

वे नागपुर से एमबीबीएस और एमएस की डिग्री लेने के बाद राजधानी के मूलचंद अस्पताल से जुड़ गए थे। यह 1980 के दशक की बातें हैं। उन्हें मूलचंद अस्पताल से डॉ. कृष्ण लाल चोपड़ा ने जोड़ा था। हार्ट सर्जन डॉ. चोपड़ा विश्वविख्यात लेखक और मोटिवेशन गुरु डॉ. दीपक चोपड़ा के पिता थे। यह सच है कि मूलचंद अस्पताल को अमीरों का अस्पताल माना जाता है। पर वे आमजन के लिए फोन पर या अपने चैंबर पर हमेशा उपलब्ध रहते थे। वे जितने रोगियों को रोज देखते थे, उनमें से आधे से वे कोई फीस नहीं लेते थे। वे कहते थे—साईं इतना दीजिये, जा मे कुटुम समाय। मैं भी भूखा न रहूं, साधु ना भूखा जाय॥ वे चाहते तो कई कारपोरेट अस्पताल खोल सकते थे। लेकिन उनकी जीवन को लेकर सोच अलग थी। वे मानव सेवा के प्रति एक तरह से वचनबद्ध थे।

डॉ. अग्रवाल साल में करीब एक सौ हेल्थ कानफ्रेंस में भाग लेते थे। वहां पर भी लोग उनसे अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को पूछते। वे फोन नंबर भी दे देते ताकि आगे भी बातचीत होती रहे। डॉ. अग्रवाल अपने साथी डाक्टरों से अपेक्षा करते थे कि वे नये अनुसंधानों की जानकारी रखें और खुद भी नये अनुसंधान करें। उनका मानना था कि रोगी का इलाज करना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। हरेक डॉक्टर को अपने काम और सोच का विस्तार करना होगा। उसे लगातार पढ़ना तथा अनुसंधान करते रहना होगा।

ये प्रश्न हमेशा बना रहेगा कि क्या वे पहले सुयोग्य चिकित्सक थे या फिर कर्मठ समाजसेवी? वे हजारों लोगों के लिए कठिन समय में देवदूत बनकर आए। उनकी अकाल मृत्यु से देश और उनके चाहने वालों ने एक कुशल चिकित्सक, बड़ी सोचने रखने वाला, हर समय नया करने व सीखने को तत्पर, हमदर्द, दोस्तों का दोस्त और ज़िंदादिल इनसान खो दिया है। उनका जाना मानवता के लिए क्षति है।

स्कूल दिखाएं संवेदना

लॉकडाउन का सबसे ज्यादा असर स्कूलों पर पड़ा है। कोरोना महामारी के कारण मार्च, 2020 के बाद से देश भर के शैक्षणिक संस्थानों में ताला लगा हुआ है। बीच में कुछ स्थानों पर निर्धारित मानकों के साथ स्कूलों को खोला गया लेकिन महामारी की दूसरी भीषण लहर में स्कूल फिर बंद हो गए। स्कूल बंद होने कारण बीते एक साल से अधिक समय से बच्चों की पढ़ाई ऑनलाइन माध्यम से चल रही है पर अधिकतर स्कूल पूरी फीस वसूल रहे हैं।

मनमानी फीस वसूली के मुद्दे पर बीते वर्ष पंजाब, हरियाणाग ओड़िशा आदि कई राज्यों में छिड़ा विवाद सर्वोच्च न्यायालय तक जा पहुंचा था। बीते दिनों इस मसले का संज्ञान लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एएम खानविलकर और दिनेश माहेश्वरी की खंडपीठ ने राजस्थान के 36,000 गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों और 220 सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक स्कूलों की फीस विवाद के मसले पर सुनवाई करते हुए महद्भवपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। न्यायाधीश खानविलकर का सुझाव है कि इन दिशा-निर्देशों का अनुपालन हर प्रत्येक राज्य सरकार को सुनिश्चित कराना चाहिए ताकि हर जगह अभिभावकों व स्कूल प्रबंधन के मध्य स्कूल फीस निर्धारण को लेकर एक सुस्पष्ट नीति कायम हो सके। बताते चलें कि उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया है कि 2020-21 के शैक्षणिक सत्र में छात्रों से वसूली जाने वाली कुल वार्षिक फीस में 15 फीसदी की कटौती की जाए। कारण कि छात्रों ने स्कूलों से वे सारी सुविधाएं नहीं ली हैंग जो वे स्कूल आने पर लेते थे। लॉकडाउन के दौरान स्कूलों ने बिजली, पानी, पेट्रोल-डीजल, स्टेशनरी, रखरखाव और खेलकूद के सामानों के पैसे बचाए हैं। यह बचत तकरीबन 15 फीसदी के आसपास बैठती है।

ऐसे में छात्रों से इन सबका पैसा वसूलना मुनाफाखोरी की श्रेणी में आता है। साथ ही, कहा कि फीस का भुगतान न होने पर किसी छात्र को वर्चुअल या भौतिक रूप से कक्षा में शामिल होने से न रोका जाए और न ही उनका परिणाम रोका जाए।

अदालत ने फीस को 6 किस्तों में 8 फरवरी, 2021 से 5 अगस्त, 2021 के बीच तक जमा करने की समय सीमा भी तय की है। यह निर्देश भी दिया है कि फीस भुगतान न कर पाने की स्थिति में 10वीं-12वीं के किसी छात्र का रिजल्ट नहीं रोका जाए और न ही उन्हें किसी परीक्षा में बैठने से रोका जाए। जो अभिभावक फीस का भुगतान करने में आतथक तौर पर सक्षम नहीं हैं, उनकी फीस माफी पर भी प्राइवेट स्कूलों को संजीदगी से विचार करना चाहिए। हां! इसमें दो राय नहीं हैं कि कुछ अपवाद छोड़ दें तो तमाम कोशिशों व सरकारी दावों के बावजूद सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के शैक्षिक स्तर व गुणवत्ता में जमीन-आसमान का अंतर है। इसी कारण जो जरा भी समर्थ होता है, उसकी इच्छा अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने की होती है। मध्यमवर्गीय परिवार पेट काटकर अपने बच्चों का दाखिला प्राइवेट स्कूलों में कराता है ताकि उनका भविष्य संवर सके। सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के व्यक्तित्व में भी यह अंतर साफ नजर आता है क्योंकि इनके उच्च वेतनभोगी सक्षम शिक्षकों का पूरा फोकस अपने स्कूल की लोकप्रियता और छवि को कायम रखने का होता है। ऑनलाइन शिक्षण के वर्तमान दौर में भी प्राइवेट स्कूलों के शिक्षक अपना काम पूरी प्रतिबद्धता से कर रहे हैं। मगर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि बीते दो-ढाई दशकों में देश भर में प्राइवेट स्कूलों व शिक्षण संस्थानों की बाढ़ ने शिक्षा को घोर व्यावसायिक गतिविधि बना दिया है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी की शिकायतें किसी से छुपी नहीं हैं। कभी बिल्डिंग निर्माण तो कभी सुविधाओं में वृद्धि के नाम पर मनमानी फीस वसूली, समय से पहले फीस मांगना और न देने पर बच्चों के रिजल्ट रोक देना व बच्चों के नाम नाम काट देने जैसी तमाम शिकायतें आये दिन अखबारों व न्यूज चैनलों की सुतखयां बनती हैं। देश का शायद ही कोई ऐसा राज्य हो जहां से प्राइवेट स्कूलों की मनमानी की खबरें न आती हों। लेकिनग इस बार सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में प्राइवेट स्कूलों के प्रबंधन को आईना दिखा दिया है, और दो टूक कहा है कि स्कूल मुनाफाखोरी के लिए नहीं बने हैं। कोरोना महामारी की वजह से समूचा देश खास तौर पर अभिभावक अत्यंत गंभीर परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। लोगों की नौकरियां और रोजगार ठप पड़े हैं। लोग बीमारियों और महंगाई से जूझ रहे हैं। इस कठिन समय में शैक्षणिक संस्थाओं को संवेदनशील होना चाहिए और देशहित में छात्रों एवं उनके माता-पिता को राहत देने के लिए उचित सहूलियत देनी ही चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

पन्नाः नर बाघ पी-243 को रेस्क्यू टीम ने पहनाया रेडियो कॉलर

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व में कुछ दिन पूर्व मृत हुई बाघिन के शावकों के साथ घूम रहे नर बाघ को गुरुवार को पन्ना टाइगर रिजर्व के वन विभाग द्वारा रेडियो कॉलर पहनाया गया। जानकारी के मुताबिक गहरीघाट परिक्षेत्र के बीट मझौली में नर बाघ पी-243 को सफलतापूर्वक सेटेलाइट जीपीएस कालर किया गया। रेडियो कालरिंग उपरान्त बाघ को स्वच्छंद विचरण के लिए विमुक्त किया गया। पन्ना टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत केन बेतवा लिंक परियोजना के तहत भारत सरकार द्वारा पन्ना लैण्ड स्केप के प्रबंध योजना के लिए 14 बाघों को रेडियो कालर की अनुमति प्रदान की गई है। रेडियो कालरिंग की समस्त कार्यवाही क्षेत्र संचालक तथा उप संचालक पन्ना टाइगर रिजर्व के मार्गदर्शन में डॉ.संजीव कुमार गुप्ता, वन्यप्राणी चिकित्सक पन्ना टाइगर रिजर्व एवं उनकी रेस्क्यू टीम के द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न की गई। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है बाघ को सेटेलाइट जीपीएस कालर पहनाने से इस पर निगरानी रखना अब आसान हो सकेगा जिससे इसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

जबलपुरः शराबी पति ने लकड़ी से हमला कर पत्नी की ले ली जान

जबलपुर। बरेला के गौर क्षेत्रातंर्गत पिपरिया घाट पर एक वृद्ध शराबी ने पत्नी पर लकड़ी से हमला कर उसके सिर पर चोट पहुंचा दी, जिससे उसकीगंभीर चोट आ गई, वहीं आरोपी पति नशे में सो गया और पत्नी की मौत हो गई। सुबह जब लोगों ने देखा तो कमरे के अंदर खून बहा हुआ पड़ा था और महिला मृत पड़ी थी। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। बरेला टीआई सुशील चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि पिपरिया घाट निवासी 65 वर्षीय खजांची बर्मन शराब पीने का आदी है। जिसके एक कमरानुमा मकान पर उसकी पत्नी 55 वर्षीय शांति बाई रहती थी। जिनके बीच अक्सर शराब पीने की बात पर विवाद होता था, इसी कारण से उनके लड़के उनसे अलग रहने लगे थे। आरोपी खजांची रोजाना शराब पीकर अपनी पत्नि शांति से विवाद करता था। बीती शाम भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। बाद दोनों घर पर ही रहे, बताया है कि रात करीब 10 बजे दोनों में एक विवाद के बाद घटना को अंजाम दिया गया।

इंदौरः सीएमएचओ लें इंजेक्शन की सुपुर्दगी, हाईकोर्ट ने दिए आदेश

इंदौर। उच्च न्यायालय ने याचिका की सुनवाई के बाद थानों में जप्त असली रेमडेसिविर इंजेक्शन की शीघ्र सुपुर्दगी लेने के लिए प्रत्येक जिले के सीएमएचओ को आदेश दिया है। चोरी और कालाबाजारी के पिछले एक माह में सैकड़ों प्रकरण सामने आए हैं। जिनमे पुलिस के हाथ कई असली रेमडेसिविर और अन्य जीवनरक्षक दवाएं हाथ लगी है। ऐसे में यह थानों में रखे रखे खराब हो रही है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता आशुतोष शर्मा ने बताया है की याचिका और स्वतः संज्ञान याचिका मे इंटर्वेनर बनने के पश्चात् हमने एक महत्व पूर्ण बिंदु उठाया है जिस और किसी का ध्यान नही जा रहा था। रेमडेसिविर कालाबाजारी और चोरी तो हो रही है परंतु उसमे जब्त हो रही यह बहुमूल्य और कोरोना से पीड़ित गंभीर मरीजों पर कारगर दवाई पुलिस की कस्टडी में खराब हो रही है जिसका उपयोग आज के परिदृश्य में जनता के उपयोग के लिए अत्यंत आवश्यक है। उच्च न्यायालय ने इंटर्वेनेर अर्जी को स्वीकार कर अपने आदेश मे समस्त जिलों के सीएमएचओ को उक्त इंजेक्शन को अपने सुपुर्दगी में लेने का आदेश दिया है ।

सिवनीः कंटेनर की टक्कर से पिता व पुत्री की मौत तथा दूसरी पुत्री घायल

सिवनी । नागपुर से सिवनी दिशा की ओर आ रहे एक बाइक सवारों को पीछे से आ रहे एक कंटेनर चालक ने कुरई मार्ग में गुरुवार सुबह 7 बजे जोरदार टक्कर मार दी। कुरई थाना क्षेत्र अंतर्गत मुख्य मार्ग में हुए इस भीषण हादसे में पिता-पुत्री की मौके पर मौत हो गई, वहीं गंभीर रूप से घायल 12 वर्षीय बालिका को उपचार के लिए नागपुर ले जाया गया है। कुरई थाना प्रभारी मनोज गुप्ता ने बताया कि सड़क हादसे के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि नागपुर से सिवनी दिशा की ओर एक कंटेनर जा रहा था। वहीं नागपुर से सिवनी दिशा की ओर एक मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 22 एमजे 9842 में फैयाज अंसारी (45 वर्ष) निवासी नागपुर अपनी दो पुत्री 16 वर्षीय फिजा अंसारी और 12 वर्षीय आलीजा अंसारी के साथ सिवनी की ओर आ रहे थे। तभी तेज रफ्तार से गुजर रहे कंटेनर चालक ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक चालक फैयाज अंसारी और 16 वर्षीय पुत्री फिज़ा अंसारी कंटेनर की चपेट में आ गए जहां घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

इंदौरः दवाई खरीदने रुके किसान को ढाई लाख की लगाई चपत

इंदौर। सांवेर इलाके में दवाई दुकान पर रुके किसान के ढाई लाख रुपए से भरा झोला चोरी हो गए। वह बैंक से रुपए निकाल कर अपने घर जा रहा था। पुलिस के अनुसार फरियादी भंवरसिंह पिता हरिसिंह निवासी शिप्रा की शिकायत पर चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया है । भंवरसिंह सांवेर में एक बैंक में पैसे निकालने के लिए आए थे। उन्होंने ढाई लाख रुपए निकाले और वापस घर जाने लगे। अजनोद तिराहे पर कृष्णा मेडिकल पर वह दवा खरीदने के लिए रुके थे। उन्होंने नोटों से भरा बैग अपनी गाड़ी पर ही टांग दिया और मेडिकल स्टोर पर दवा खरीद कर वापस लौटे। इसी बीच अज्ञात बदमाश बैग ले भागा। बैग में बैंक ऑफइंडिया की चेक बुक भी रखी हुई थी। पुलिस ने मामले की जांच की और उसके बाद अज्ञात के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को शक है कि किसान के पीछे बदमाश बैंक से लगे होंगे, जिन्होंने रैकी कर वारदात को अंजाम दिया है।

रायपुरः छग में 5212 नए मरीज, 113 लोगों की हुई मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना से संक्रमित मरीजों की संख्या में धीरे-धीरे कमी देखने को मिल रही है। उम्मीद है कि जल्द से इस महामारी से निजात मिल सकेगा। लेकिन मौत के आंकड़े अभी भी डरावने ही है। इसलिए कोरोना से मौत के इस सिलसिले पर लगाम लगाने की जरूरत है। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को 5 हजार 212 कोरोना मरीज सामने आए हैं। जबकि 113 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। छत्तीसगढ़ में कोरोना कहर के बीच राहत भरी खबर ये है कि 9 हजार 501 लोगों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है। अब-तक प्रदेश में 8 लाख 42 हजार 662 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज किया जा चुका है। मौत का आंकड़ा 12 हजार 295 पहुंच गया है। प्रदेश में एक्टिव केस की संख्या 81 हजार 666 है. जबकि गुरुवार को 66 हजार 542 लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया है। गुरुवार को दुर्ग में 116, बालोद में 119, रायपुर में 240, बलौदाबाजार में 256, महासमुंद में 187, बिलासपुर में 167, रायगढ़ में 392, कोरबा में 283 मरीज मिले हैं।

खटारा एंबुलेंस को मंत्री विजय शाह ने धक्का लगाया, फिर भी नहीं हुई स्टार्ट

विस क्षेत्र को नई एंबुलेंस की सौगात दिलाने की घोषणा पर आई थी एंबुलेंस

खंडवा। मप्र सरकार में वन मंत्री विजय शाह के क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं वेंटिलेटर पर हैं। प्रशासन ने उनकी फिर से किरकिरी करा दी। मंत्री को अपने विस क्षेत्र को नई एंबुलेंस की सौगात दिलाने की घोषणा महंगी पड़ गई। घोषणा के बाद स्वास्थ्य विभाग ने विस मुख्यालय पर पुरानी एंबुलेंस भेज दी। उसका शुभारंभ भी मंत्री के हाथों से कराया। एंबुलेंस स्टार्ट करने के लिए मंत्री तक को धक्का लगाना पड़ा, लेकिन वह स्टार्ट नहीं हुई। कंडम एंबुलेंस देख मंत्री अफसरों पर गुस्सा हो गए। वहीं सीएमएचओ का कहना है कि शासन के पास जो एंबुलेंस उपलब्ध थी वह भेज दी।

मामला खंडवा जिले के हरसूद विस क्षेत्र का है। यहां से विधायक विजय शाह प्रदेश सरकार में वन मंत्री है। आदिवासी बहुल क्षेत्र हरसूद से वे सालों से विधायक और फिर शिवराज कैबिनेट में मंत्री रहे हैं। ऐसे वरिष्ठ मंत्री की घोषणा को उन्हीं के अफसरों ने अनदेखा कर दिया। वे खंडवा जिले के कोविड प्रभारी मंत्री हैं और संक्रमण से निपटने तमाम तैयारियों में

लगे हुए हैं। पिछले दिनों मंत्री शाह ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए नई एंबुलेंस की घोषणा की थी। बुधवार की शाम वे अपने क्षेत्र के लिए निकले तो इससे पहले स्वास्थ्य विभाग ने वहां एंबुलेंस भेज दी। एंबुलेंस नई की बजाय पुरानी थी। मंत्री की नाराजगी के बाद अफसरों ने उन्हें समझाया। फिर मंत्री ने एंबुलेंस को धक्का लगाया तो भी वह स्टार्ट नहीं हुई। इस दौरान खंडवा कलेक्टर सहित स्वास्थ्य विभाग के आला अफसर उनके साथ मौजूद थे।

बुंदेली गीत गाकर लोगों को वैक्सीनेशन के लिए जागरूक कर रही पुलिस

पृथ्वीपुर। कोरोना महामारी सक्रमण की रोकथाम और वैक्सीनेशन कराने के लिए गांव-गांव जाकर पुलिस टीम के द्वारा लोगों को बुन्देली गीतों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार सिंह के निर्देशन मे चलाए जा रहे कोरोना सक्रमण महामारी

बायरस से बचाव और वेक्सीनेशन कराने के लिये जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को लुहरगुवा रेड जौन से शुरू किए गए अभियान के तहत एसडीएम संतोष पटेल के नेतृत्व में गांव-गांव जाकर लोगों को कोरोना सक्रमण महामारी से बचाव और वैक्सीनेशन कराने के लिए बुन्देली गीतों के माध्यम से जहां लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वही उन्होंने लोगो से अपील करते कहा कि कोरोना सक्रमण महामारी को लेकर हम सभी को इसके प्रति सजग रहने की जरूरत है। मास्क का उपयोग निरंतर करें। सामाजिक दूरी बनाकर रखें, सेनेटाइजर का उपयोग करें, बार-बार साबुन से हाथ धोये और इस वायरस को हराने के लिए सभी को एक होकर इसकी वैक्सीनेशन दिषा में पहल करना है। ग्राम का कोई भी व्यक्ति वैक्सीनेशन कराने से ना छूटे उसके लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

104 वर्षीय वृद्धा के हौसले ने कोरोना को हराया

सागर। जब जीने की ललक, जज्बा और स्वयं पर विश्वास हो तो 104 वर्ष की उम्र में भी कोरोना जैसी बीमारी को भी हराया जा सकता है। यह साबित कर दिखाया सागर के भाग्योदय तीर्थ अस्पताल में भर्ती कोरोना पीड़िता बीना की सुंदर बाई जैन को। उन्हें10 मई को भर्ती कराया था। 104 वर्ष की उम्र के कारण शुरुआत में प्रतीत हुआ कि उनकी सेहत में जल्द सुधार होना थोड़ा मुश्किल है। लेकिन इरादों के आगे बड़ी से बड़ी मुसीबत नतमस्तक हो जाती है। जब सुंदर बाई से कहा गया कि उन्हें कोरोना से घबराना नहीं है तो उन्होंने उत्तर दिया कि, कोरोना मुझसे ज्यादा मजबूत नहीं है। आप चिंता न करें, हम इस बीमारी को भी जीत लेंगे।

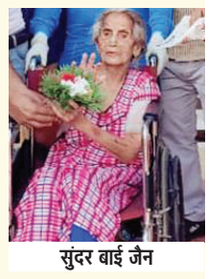

सुंदर बाई जैन

राहतः पांच हजार से नीचे आई मरीजों की संख्या, छह प्रतिशत पर पहुंची संक्रमण दर

रिकॉर्ड 77 हजार 493 सैंपल में 4,952 संक्रमित मिले, 9746 हुए स्वस्थ

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में एक दिन में मिलने वाले कोरोना मरीजों की संख्या 4952 पर आ गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा गुरुवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार बुधवार को प्रदेश में 77,493 सैंपल की जांच की गई। संक्रमण दर छह फीसदी रही। एक दिन में जांचों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। मरीजों की संख्या कम होने के बाद जांचें बढ़ रही हैं। जांचें गए सैंपल में 44,185 सैंपल रैपिड किट से जांचे गए हैं। इनमें 1063 यानी 2.4 फीसदी पॉजिटिव आए हैं। बाकी जांचें आरटी-पीसीआर से की गईं। इससे पहले 9 अप्रैल को 4,986 केस मिले थे। संक्रमण दर 7 दिन में 12 से घटकर 6 प्रतिशत पर आ गई है, लेकिन कोरोना से मरने वालों की संख्या कम नहीं हो रही है। प्रदेश में 19 मई को 88 मरीजों की मौत दर्ज की गई। इसमें सबसे ज्यादा 14 मौतें भोपाल में हुईं। इससे पहले 3 मई को 12 मौतें हुई थीं। प्रदेश में 19 मई को रिकॉर्ड 77,493 सैंपल टेस्ट की रिपोर्ट आई। इसमें 4,952 पॉजिटिव मिले। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि टेस्ट की संख्या बढ़ाई जाए। इसके बाद प्रदेश में रैपिड एंटीजन टेस्ट की संख्या बढ़ा दी गई है। 19 मई को 33,308 सैंपलों के आरटी-पीसीआर टेस्ट में 3,889 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई, जबकि रैपिड एंटीजन के 44,185 सैंपल के टेस्ट में मात्र 1,063 संक्रमित मिले। मध्यप्रदेश में एक्टिव केसों की संख्या 72,725 रह गई है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में ग्वालियर में 7, इंदौर में 5 ग्वालियर और जबलपुर में 2 लोगों ने कोरोना के कारण जान गंवाई।

ग्रामीण क्षेत्रों में 6.3 प्रतिशत और नगरीय क्षेत्रों में 8.9 प्रतिशत पॉजिटिविटी

ग्रामीण क्षेत्रों में चार करोड़ 66 लाख 75 हजार 273 व्यक्तियों का हुआ सर्वेक्षण

प्रदेश में किल कोरोना अभियान के अंतर्गत किए जा रहे गहन सर्वे में ग्रामीण क्षेत्रों में 6.3प्रतिशत और नगरीय क्षेत्रों में 8.9प्रतिशत पॉजिटिविटी रेट हो गई है। सरकार का दावा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी तक 4 करोड़ 66 लाख 75 हजार 273 व्यक्तियों (74 प्रतिशत जनसंख्या) का घर-घर सर्वेक्षण किया जा चुका है।

32 जिलों में 10 प्रतिशत से कम पॉजिटिविटी

प्रदेश के 9 जिलों में 5प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है, वहीं 32 जिलों में 10 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है। गुना, छिंदवाड़ा, अशोकनगर, बड़वानी, भिंड, बुरहानपुर, झाबुआ, आलीराजपुर, खंडवा में 5 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट है। इन जिलों सहित ग्वालियर, होशंगाबाद, मंदसौर, धार, कटनी, सतना, बालाघाट, रायसेन, शाजापुर, नरसिंहपुर, राजगढ़, देवास, विदिशा, सिवनी, मंडला, आगर-मालवा, छतरपुर, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और हरदा में 10 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है। मरीजों की मौत इस बीमारी से अलग-अलग जिलों में बुधवार को हुई है। अच्छी बात यह है कि प्रदेश कि 21 जिलों में एक भी मरीज की मौत इस बीमारी से नहीं हुई है। कुछ जिले तो ऐसे भी हैं जहां कई दिनों से एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

शिवराज ने बड़वानी में किए गए प्रयासों को सराहा

बड़वानी। प्रदेश के महाराष्ट्र से सटे बड़वानी जिले में कोरोना का पॉजिटिविटी रेट 40 फीसदी से घटकर एक फीसदी से भी कम होने पर मुख्यमंत्री ने गुरुवार को इसकी प्रशंसा की है। बड़वानी के जिला कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने बताया कि महाराष्ट्र से संलग्न बड़वानी जिले में पॉजिटिविटी रेट 12 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 34 फीसदी था जो एक समय बढ़कर 40 फीसदी तक हो गया था। उन्होंने कहा कि बेहतर समन्वय और टीम वर्क के चलते आज यह एक फीसदी से कम रह गया है जो मध्यप्रदेश में संभवतः सबसे कम है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सैंपलिंग लगातार बढ़ाई जा रही है और इसे दोगुना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बड़वानी जिले में लक्ष्य के विरुद्ध 40 फीसदी वैक्सीनेशन हो चुका है।

वृद्धा की हत्या कर पैर काटे और ले गए चांदी के कड़े

राजगढ़। राजगढ़ जिले के बोड़ा थाना अंतर्गत ग्राम ढाबला में महिला कसूबाई उम्र 75 वर्ष पति स्वर्गीय भागीरथ वर्मा का गला रेतकर हत्या कर दी गई। इसके साथ ही दोनों पैरों को काटकर चांदी के कड़े व पायजेब निकालकर मृत महिला को संदेहास्पद स्थिति में छोड़ दिया गया।

महिला घर मे अकेली रहती थी और बहुत ही गरीब परिवार से ताल्लुक रखती थी। महिला का एक बेटा कैलाश नारायण दूसरे गांव पिपलिया तवकुल में रहता है। जब घर के अंदर से शव में से बदबू आने लगी तब जाकर मोहल्लेवालों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर फॉरेंसिक विभाग डॉग स्क्वायड एवं राजगढ़ पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार शर्मा, एसडीओपी भारतेंदु शर्मा, बोड़ा थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे सहित बोड़ा थाने का पुलिस स्टॉफ मौके पर पहुंचा। पुलिस द्वारा लाश का पंचनामा तैयार कर पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ा भेजा, जहां पर पीएम के बाद महिला के शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया ।

युवक को पेड़ से बांध किया आग के हवाले

सिवनी (आरएनएन)। डूंडासिवनी थाना अंतर्गत गुरुवार की सुबह बरघाट रोड स्थित बाघदेव बंजारी के समीप चांदमारी नाले में एक युवक का आग से झुलसा शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। डूंडासिवनी थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया ने बताया कि गुरुवार को सुबह बरघाटरोड स्थित बाघदेव बंजारी से पहले चांदमारी स्थान के समीप नाला में एक पेड़ में लगभग 25 वर्षीय युवक को गमछे से बांधकर और उसे आग जलाकर हत्या किए जाने की बात आसपास के लोगों ने सुबह वहां से गुजरते वक्त उक्त मृत युवक को देख तत्काल सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर डूंडासिवनी थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। युवक का पोस्टमार्टम किए जाने के लिए शव को जिला अस्पताल भिजवा दिया गया है। वहीं पुलिस ने अज्ञात हत्यारों के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

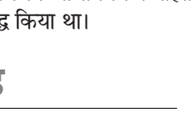

पुलिसकर्मी पोहा और जलेबी खाने पिछले दरवाजे से कर रहे एंट्री

मिलीभगत से खुल रही दुकान, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

जबलपुर (एजेंसी)। पुलिस का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वह एक होटल में पिछले दरवाजे में वर्दी पहनकर चोरों की तरह जाते हैं और वहां गर्मा गरम पोहा और जलेबी के साथ ही अन्य व्यंजनों का लुत्फ उठाते हैं। वहीं जब कुछ लोग वहां पहुंचकर चोरी-छिपे दुकान खुली होने के सवाल जवाब करने लगे तो पुलिस कर्मियों की जवान लड़खड़ाने लगी, जिसमें एक ने होटल को ही अपना घर बता दिया और फिर यहां वहां होने लगे।

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हुआ है,वह बेलबाग क्षेत्रातंर्गत घमापुर चौक का बताया जा रहा है, जहां गोपाल रेस्टोरेंट के अंदर चार से पांच बेलबाग थाने के

पुलिस कर्मी पोहा-जलेबी के साथ ही आलूबंडा और चाय की चुस्की ले रहे हैं।

सवाल तो उठ ही रहे हैं कि जब सभी प्रतिष्ठान बंद हैं तो होटल वाला कैसे पोहा जलेबी बना रहा है। पुलिस कर्मी अंदर हैं और सामने की शटर बंद क्यों है। इतना ही नहीं दुकान के अंदर बैठकर ये पुलिस कर्मी खुद ही नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, यदि ये उक्त समान की डिलेवरी लेकर थाने या अपने वाहन में उसका उपयोग करते तब भी लोग कुछ न कहते, लेकिन दुकान के अंदर बैठकर नाश्ता पानी कर दूसरों को नियम पाठ पढ़ाने वाले पुलिस कर्मियों की वीडियों बनते ही बोलती बंद हो गई।

नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन कालाबाजारी मामला

मंत्री की पत्नी का ड्राइवर हिरासत में

इंदौर (एजेंसी)। रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी में पुलिस ने स्वास्थ्य अधिकारी के ड्रायवर को पकड़ा था। जिसने मंत्री की पत्नी के ड्रायवर का नाम लिया था। पुलिस ने उसे भी हिरासत में लिया है। वहीं पुलिस ने नाम सामने आने पर विजयनगर थाने के होमगार्ड और कांस्टेबल को लाइन अटैच किया है। विजयनगर पुलिस ने इंजेक्शन की कालाबाजारी में पुनीत अग्रवाल को पकड़ा था, वह सीएमओ का ड्रायवर था। उसने पूछताछ में मंत्री की पत्नी के ड्रायवर गोविंद राजपूत का नाम लिया था, जिससे उसने इंजेक्शन देने की बात कहीं थी। इस पर पुलिस ने गोविंद को भी हिरासत में लिया है। हालांकि उसका कहना है कि उसने पुनीत से ही इंजेक्शन लिए थे, जो उसने वापस कर दिए थे।

आरोपियों से पूछताछ जारी: उधर नकली इंजेक्शन बनाने वाले आरोपियों को पुलिस सूरत से गिरफ्तार कर लाई है। सात दिन के रिमांड पर है, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। आरोपियों ने मप्र में 1200 इंजेक्शन मे से 700 सिर्फ इंदौर में खपाए हैं। पुलिस को 400 से ज्यादा इंजेक्शन के बारे में पुख्ता जानकारी है, लेकिन बाकी के इंजेक्शन कहां खपाए हैं, इसकी जांच की जा रही है।

बाल पकड़कर पीटने वाली महिला आरक्षक व एसआई निलंबित

सागर । कोरोना कर्फ्यू के दौरान रहली में मां-बेटी से अभद्रता व एक महिला पुलिसकर्मी द्वारा बेटी के सामने मां को बाल पकड़कर पीटने के मामले में पुलिस की जमकर किरकिरी हो रही है। पुलिस के इस अमानवीय चेहरा के सामने आने के बाद महिला आयोग ने भी दखल दिया है। जिसके बाद एसपी अतुल सिंह ने महिला आरक्षक सहित उप निरीक्षक को निलंबित कर दिया है।

दरअसल 17 मई को रहली में कोरोना कर्फ्यू के दौरान रहली थाना क्षेत्र में खमरिया निवासी मां-बेटी बगैर मास्क लगाए सड़क पर निकली थी तो गांधी चौक पर तैनात पुलिस ने दोनों को रोक लिया। पुलिस ने दोनों से मास्क न लगाने का कारण पूछा और चालान काटने की बात कही, जिस पर मां-बेटी भड़क गई। मामला इतना बढ़ा कि बाद में मारपीट की नौबत तक आ गई। इस दौरान महिला आरक्षक अर्चना डिम्हा थाना रहली ने महिला के साथ सार्वजनिक स्थल में मारपीट की गई थी। इसके बाद पुलिस ने अनावेदिका कु.चंचल अहिरवार व अन्य के विरुद्ध सार्वजनिक स्थल पर शासकीय कार्य में बाधा एवं हमले संबंधी घटित घटनाक्रम बताते हुए रहली थाना में धारा 353, 332,188,294,506, 34, 51बी आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया था।

'टूलकिट' पर सियासी घमासान छत्तीसगढ़ बीजेपी का धरना आज

रायपुर (एजेंसी)। कोरोना संकट के बीच 'टूलकिट' मामले में सियासी घमासान चल रहा है। कांग्रेस ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया था। जिसके बाद से भाजपा ने अपने विरोध के स्वर को तेज कर दिया है। छत्तीसगढ़ बीजेपी टूलकिट मामले में शुक्रवार को प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन करेगी। बीजेपी के सभी आला नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने-अपने घरों के सामने धरना देंगे। बीजेपी नेताओं को गिरफ्तार करने कांग्रेस सरकार को चुनौती देंगे। गुरुवार को ट्विटर पर ट्रेंड भी कर रहा है।

प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष शिव रतन शर्मा ने प्रेस वार्ता कर कहा कि कांग्रेस ने एक गुप्त दस्तावेज अपने कार्यकर्ताओं, समर्थक और बुद्धिजीवियों को भेज कर भारत को दुनिया भर में बदनाम करने, देश की छवि को खराब करने के लिए साजिश रची थी। हाल के महीनों में सोशल मीडिया में जितना भारत के खिलाफ दुष्प्रचार किया गया है, उनमें से अधिकांश इसी गुप्त दस्तावेज का हिस्सा थे, ऐसा साबित हुआ है। देशद्रोह की सीमा पार कर चुकी कांग्रेस ने पहले इसे फर्जी साबित करने की कोशिश की। फिर बाद में भाजपा ने तमाम तथ्यों के साथ मामले को दोबारा सामने रखा।

जिम्मेदारों की अनदेखी — **खुले आसमान के नीचे रखा था गेहूं, बारिश से हुआ तबाह**

खरीद केंद्रों पर रखा बारिश में भीगा गेहूं मारने लगा सड़ांध

भितरवार (एजेंसी)। विकासखंड में चल रही शासकीय समर्थन मूल्य गेहूं खरीद केन्द्रों पर सैकड़ों क्विंटल गेहूं खुले आसमान के नीचे रखा होने से बारिश में भीग गया। भीगा हुआ गेहूं बीते तीन दिनों से खुले में रखा हुआ है, जिससे भीगा हुए गेहूं से सड़ाध आने लगी है। जिम्मेदारों की अनदेखी से खरीद केन्द्रों पर खुले में रखे गेहूं के बारिश से बचाव के इंतजाम न होने एवं समय पर परिवहन न किए जाने से लाखों रुपए का गेहूं बर्बाद हो गया। खरीद केन्द्रों पर खुले में रखे गेहूं का समय पर भंडारण न किए जाने से खरीदी से जुड़े जिम्मेदारों की लापरवाही उजागर हुई है।

जानकारी के अनुसार नगर में विभिन्न वेयर हाउसों पर एवं कृषि उपज मंडी में विभिन्न सोसाइटियों द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की जा रही है।

इन सोसाइटियों के गेहूं खरीद केन्द्रों पर किसानों से खरीदे गए गेहूं की खुले में रखी बोरियां हुई बेमौसम बारिश के पानी से भीगकर खराब हो गईं। बारिश के पानी से बचाव के उपयुक्त इंतजामों के अभाव में भीगी गेहूं की बोरियों में सड़ांध पैदा हो गई है। जिससे लाखों रुपए के गेहूं का नुकसान होने की आशंका है। बताते हैं। कि लगभग एक माह से खरीदी बंद होने के बाबजूद भी

खरीद केंद्र के प्रभारियों ने खरीदे गए गेहूं को गौदामों तक नहीं पहुँचाया। और न ही खुले में रखे गेहूं को बारिश के पानी से बचाने के लिए तिरपाल आदि की व्यवस्था की। मौसम विभाग द्वारा बार बार बारिश की आशंका व्यक्त करने के बाद भी लापरवाह हुए जिम्मेदारों की बजह से खुले में रखा लाखों का गेहूं सड़ कर खराब होने की कगार पर पहुँच गया है। खरीद केन्द्रों पर रखे गेहूं में मार रही सड़ांध और गेहूं की बोरियों में दिख रही फफूंद कहीं न कहीं बहुत बड़ी लापरवाही की ओर इशारा कर रही थी। अब देखना यह है। कि जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी इस लापरवाही पर क्या कार्रवाही करते हैं।

खेत में बने खरीदी केंद्र में पानी भरने से भीगा हजारों क्विंटल गेहूं

जबलपुर। सिहोरा अनुभाग अंतर्गत बेला सोसाइटी के उपार्जन केंद्र अन्नपूर्णा वेयर हाउस में प्रशासनिक लापरवाही के चलते अनेक किसानों की उपज ना केवल भीग गई, बल्कि लंबे समय तक पानी में डूबे रहने के कारण दुर्गंध मार रही है।

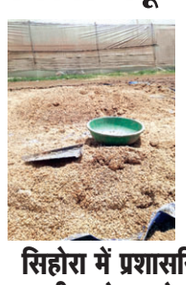

सिहोरा में प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा,बेला सोसाइटी का मामला

उल्लेखनीय है कि इस बार रवि फसल की गेहूं खरीदी के लिए गोदाम स्तरीय उपार्जन केंद्रों को प्राथमिकता दी गई थी। ताकि जल्द से जल्द किसानों की गेहूं की खरीद की जा सके तथा माल को गोदामो में जमा कराया जा सके। लेकिन गेहूं खरीदी में वरदाने की कमी के साथ गेहूं परिवहन उपार्जन केंद्र की अव्यवस्था की बजह से केंद्र पर हजारो क्विंटल गेहूं खुले में पड़ा हुआ है। गोदाम स्तरीय केंद्रों की हालत ओर ज्यादा खराब है, जबकि किसान का गेहूं खरीद कर माल को सिर्फ गोदाम में जमा करना होता है। उसके बाबजूद भी गोदाम स्तरीय केन्द्रों पर हजारों क्विंटल गेंहू उठाव के लिए पड़ा है।

लाभार्थी ठाणे के वाडिया अस्पताल में कोविड-19 वैक्सीन की खुराक प्राप्त करने के लिए कतार में प्रतीक्षा करते हुए।

गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर तूफान के दौरान नाव बांधता एक मछुआरा।

हैदराबाद के सरकारी ईएनटी अस्पताल के म्यूकोर्मिकोसिस वार्ड में एक ब्लैक फंगस संक्रमित मरीज।

एक नजर

राजस्थान के पूर्व सीएम जगन्नाथ पहाड़िया का कोरोना से निधन, गहलोत ने जताया दुख, सरकारी कार्यालयों में अवकाश

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व राज्यपाल और पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाडिया का बुधवार को 93 वर्ष की उम्र में कोरोना के कारण निधन हो गया। पूर्व सीएम पहाडिया के सम्मान में एक दिन का राजकीय शोक रहेगा एवं राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सभी सरकारी कार्यालयों में आज अवकाश रहेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिग्गज कांग्रेसी नेता जगन्नाथ पहाडिया के निधन पर दुख जताया है। जानकारी हो कि कांग्रेसी नेता और राजस्थान के पहले दलित मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाडिया का बुधवार रात को गुड़गांव के एक अस्पताल में कोरोना के कारण निधन हो गया, अस्पताल में कई दिनों से कोरोना का इलाज चला रहा था। सभी सरकारी कार्यालयों में 20 मई का अवकाश रहेगा।

वहीं, पहाड़िया के निधन पर सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट समेत विभिन्न नेताओं ने दुख जताया है। अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री जगन्नाथ पहाडिया जी के निधन की खबर बेहद दुखद है। श्री पहाडिया ने मुख्यमंत्री के रूप में, राज्यपाल के रूप में, केंद्रीय मंत्री के रूप में लम्बे समय तक देश की सेवा की, वे देश के वरिष्ठ नेताओं में से थे। पहाड़िया हमारे बीच से कोविड की वजह से चले गए। उनके निधन से मुझे बेहद आघात पहुंचा है। उनके जाने से मुझे व्यक्तिगत क्षति हुई है, प्रारंभ से ही उनका मेरे प्रति बहुत स्नेह था। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में संबल दें। दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।जानकारी हो कि पहाड़िया राजस्थान के पहले दलित मुख्यमंत्री थे। वे बाद में बिहार और हरियाणा के राज्यपाल भी रहे। पहाड़िया राजस्थान के सीएम रहे थे। उन्होंने प्रदेश में संपूर्ण शराबबंदी लागू की थी। वे 1957, 1967, 1971 और 1980 में चार बार सांसद रहे। वहीं 1980, 1985, 1990 और 2003 में विधायक चुने गए थे। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया के निधन पर राजस्थान में गुरुवार को 1 दिन का राजकीय शोक रहेगा। प्रदेश में गुरुवार को राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। सभी सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहेगा मंत्रिपरिषद की बैठक में पहाड़िया के निधन पर शोकाभिव्यक्ति होगी। जानकारी हो कि राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 9849 नए पॉजिटिव केस मिलने के साथ ही 139 पीड़ितों की मौत हुई है। प्रदेश में अब तक आठ लाख 89 हजार 513 कुल संक्रमित मिलने के साथ ही 7219 लोगों की मौत हुई है। इसी बीच, सरकार ने प्रदेश में धारा 144 की अवधि 21 जून तक के लिए बढ़ा दी है। इस संबंध में गृह विभाग ने बुधवार को अधिसूचना जारी की। प्रदेश में सबसे पहले 22 अप्रैल को 21 मई तक के लिए धारा 144 लागू की गई थी। इसकी अवधि समाप्त होने से दो दिन पहले ही सरकार ने इसे 21 जून तक के लिए बढ़ा दिया। इसके तहत किसी भी स्थान पर पांच या इससे अधिक लोग एकत्रित नहीं हो सकेंगे। सरकार द्वारा लागू लॉकडाउन 24 मई सुबह पांच बजे तक जारी रहेगा।

गुजरात में तूफान टाक्टे से भारी नुकसान, मुख्यमंत्री रुपाणी चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करने पहुंचे

अहमदाबाद । गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करने सौराष्ट्र पहुंचे। गिर सोमनाथ के कराल गांव में उन्होंने ग्रामीणों से बात की जहां महिला सरपंच उन्हें आपबीती सुनाते सुनाते रोने लगी और उसकी आंखें भर आई। मुख्यमंत्री तथा वहां मौजूद स्थानीय सांसद एवं अधिकारी भी भावुक हो गए। मुख्यमंत्री रुपाणी ने बुधवार को चक्रवात में मारे गए लोगों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए तथा घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। गुरुवार को गिर सोमनाथ भावनगर तथा जूनागढ़ के सबसे अधिक चक्रवात प्रभावित तहसीलों का रूपाणी ने हवाई निरीक्षण किया। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किए गए हवाई निरीक्षण के दौरान भी उनके साथ थे। उन्होंने गिर सोमनाथ के गरोल गांव में ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ रूबरू मुलाकात की तथा उनसे चक्रवात के विनाशक स्वरूप की आपबीती सुनी। इस दौरान एक महिला सरपंच उन्हें आपबीती सुनाते सुनाते रुआंसा हो गयी। मुख्यमंत्री ने अपनी हवाई यात्रा से पहले 3 आईपीएस अधिकारियों को तीनों परभणी जिले का प्रभारी नियुक्त कर चक्रवात से हुई नुकसान है का जायजा लेने के साथ सर्वे रिपोर्ट की भी निगरानी रखने के निर्देश दिए। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी विपुल मित्रा को गीर सोमनाथ, आईएएस कमल दायाणी को जूनागढ़ तथा आईएएस मुकेश पुरी को भावनगर की जिम्मेदारी सौंपी गई। अरब सागर में उठे भीषण चक्रवात के कारण गुजरात में 5000 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है अब तक मौत का आंकड़ा 50 के पार चला गया है तथा नुकसान व मौत के आंकड़े बढ़ने की संभावना है।

ममता के आरोपों पर दिलीप घोष का पलटवार, कहा- कोरोना मामले में ममता फेल, वे दागी मंत्रियों व विधायकों को बचाने में जुटी हैं

कोलकाता । बंगाल में कोरोना के कहर के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्रियों की हुई बैठक को फ्लॉप करार दिए जाने व पीएम पर लगाए गए आरोपों के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने पलटवार किया है। घोष ने एक संवाददाता सम्मेलन कर कोरोना मामले को संभालने में राज्य सरकार पर विफलता का आरोप लगाते हुए कहा कि सीएम केवल अपने दागी मंत्रियों व विधायकों को बचाने में जुटी हैं। कोरोना बचाव के लिए कोई उपाय नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने नारद स्टिंग कांड में गिरफ्तार आरोपित मंत्रियों के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

पीएम मोदी की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में नहीं बोलने देने के ममता के आरोपों पर घोष ने कहा, प्रधानमंत्री ने जमीनी हालात जानने के लिए बैठक कुछ जिलों के जिलाधिकारियों के साथ की है। मुख्यमंत्रियों को उसमें आमंत्रित किया गया था।मुख्यमंत्री को इस बैठक को संबोधित नहीं करना था।घोष ने आगे कहा कि राज्य के पास पर्याप्त वैक्सीन हैं, लेकिन राज्य सरकार वैक्सीन ठीक से नहीं दे पा रही है। राज्य का प्रशासन पूरी तरह विफल रहा है। यूपी सरकार ने ग्लोबल टेंडर से चार करोड़ वैक्सीन खरीद की है। बंगाल सरकार केवल केंद्र सरकार को दोष दे रही है। कोई कदम नहीं उठा रही हैं। सीएम केवल अपने मंत्रियों को बचाने में जुटी हैं। वहीं, सीबीआइ द्वारा नारद मामले को बंगाल से बाहर हस्तांतरण किए जाने की मांग के संबंध में घोष ने कहा, मैं इसपर टिप्पणी नहीं कर सकता कि क्या नारद और अन्य मामले को राज्य से बाहर ले जाना चाहिए। लेकिन हमने सीएम, कानून मंत्री, एक सांसद को जांच को प्रभावित करने की कोशिश करते देखा है। हालांकि उन्होंने कहा कि पहले भी कोलकाता के पूर्व पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के मामले की सुनवाई शिलांग में हुई थी। इस बीच घोष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि राज्य के सभी 73 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि दी जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखकर मांग की है कि वे राज्य के सभी किसानों के नाम केंद्र के पास भेजें।

आपत्तिजनक ट्वीट को लेकर शरजील उस्मानी के खिलाफ एफआइआर

औरंगाबाद (महाराष्ट्र) ।अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता शरजील उस्मानी के खिलाफ महाराष्ट्र के जालना जिले में एफआइआर दर्ज कराई गई है। एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि पूर्व छात्र ने कुछ आपत्तिजनक ट्वीट किए थे, जिसे लेकर मामला दर्ज किया गया है। जालना के अंबाद निवासी हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता अंबादास अंभोरे ने आरोप लगाया कि उस्मानी ने ट्विटर पर हाल ही में किए गए कुछ पोस्ट में भगवान राम के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया है। अंबाद पुलिस ने बुधवार रात उस्मानी के खिलाफ भादवि की धारा 295-ए (धार्मिक भावनाओं पर ठेस पहुंचाने वाला विद्वेषपूर्ण कृत्य) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया। अधिकारी ने कहा कि जांच के लिए मामला जालना साइबर विभाग के पास भेजा जाएगा। इस

साल के शुरू में पुणे पुलिस ने उस्मानी के खिलाफ भादवि की धारा 153 (ए)(धार्मिक आधार पर विभिन्न समुदायों के बीच विद्वेष को बढ़ावा देना) के तहत मामला दर्ज किया था। पुणे में 30 जनवरी को आयोजित एलगार परिषद कार्यक्रम के दौरान दिए गए उकसाने वाले भाषण के लिए दर्ज मामले में उस्मानी मार्च में अपना बयान दर्ज करा चुका है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 30 जनवरी को पुणे में एलगार परिषद के दौरान कथित रूप से सांप्रदायिक बयान देने के मामले में शरजील उस्मानी ने पुणे में अपना बयान दर्ज कराया। बांबे हाई कोर्ट ने कार्यकर्ता शरजील उस्मानी को पूछताछ के लिए पुणे पुलिस के सामने हाजिर होने के लिए कहा था। शरजील के खिलाफ इस साल एलगार परिषद के कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में एफआइआर दर्ज की गई थी। एलगार परिषद और नक्सली संपर्क मामले में आरोपित कार्यकर्ता आनंद तेलतुंबडे भाकपा (माओवादी) का सक्रिय सदस्य है और संगठन का एजेंडा मजबूत करने के अभियान में गहरे तौर पर संलिप्त है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने मुंबई में विशेष अदालत को यह जानकारी दी। एनआइए ने तेलतुंबडे की जमानत अर्जी के लिखित जवाब में 26 फरवरी को यह बात कही है। जवाब की एक प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई। इस साल जनवरी में तेलतुंबडे ने एनआइए की विशेष अदालत में जमानत अर्जी दायर कर दावा किया कि उसके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिला है। अभियोजन पक्ष की कहानी कि वह सरकार के खिलाफ लड़ाई के लिए भड़का रहे थे, सिर्फ मनगढंत है।

कोरोना पीड़ितों को सेवा भारती उपलब्ध करवाएगा आयुष 64 औषधि

अजमेर । आयुष मंत्रालय भारत सरकार के स्वायत्त निकाय गौ सेवा भारती के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को आयुष मंत्रालय द्वारा तैयार की गई आयुष 64 औषधि का वितरण प्रारंभ किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र सेवा प्रमुख शिव लहरी ने बताया कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के स्वायत्त निकाय व सेवा भारती के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को अजमेर के 11 केंद्रों पर आयुष 64 औषधि का वितरण प्रारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि आयुष मंत्रालय द्वारा तैयार की गई आयुष 64 कोरोना रोगियों को सेवा भारती के कार्यकर्ता घर तक निशुल्क उपलब्ध करवाएंगे। इसके लिए अजमेर शहर को 11 केंद्रों में विभाजित कर प्रत्येक केंद्र पर कार्यकर्ता और उनकी टीम को जिम्मेदारी दी गई है।

शिव लहरी ने बताया कि यह औषधि एसिंप्टोमेटिक माइल्ड व मॉडरेट होम आइसोलेट कोविड-19 रोगियों के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान उपरांत प्रमाणित आयुर्वेदिक औषधि है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा अजमेर को 11 नगरों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक नगर में एक केंद्र स्थापित किया गया है। रामगंज, दिग्गी बाजार, गंज, हरीभाऊ उपाध्याय नगर, वैशाली नगर, शास्त्री नगर पुलिस लाइन कुंदन नगर क्षेत्र नगरा बिहारीगंज सेठी कॉलोनी केंद्र स्थापित किए गए हैं। यहां रोगी के परिचित स्वयं जाकर निशुल्क और आयुष 64 औषधि प्राप्त कर सकते हैं। परबतपुरा स्थित पर्वत ईश्वर महादेव मंदिर मैं केंद्र का उद्घाटन करते हुए शिव लहरी ने समाज सेवा में जुड़े सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें मानवता की सेवा के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संघ के विभाग प्रचारक धर्मराज सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे

इस प्रकार प्राप्त कर सकेंगे औषधि

रोगी के परिवार या परिचित व्यक्ति को रोगी का नाम, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, आरटी पीसीआर टेस्ट की दिनांक, कोरोना से संबंधित लक्षण, उम्र आदि की जानकारी केंद्रों पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को उपलब्ध करानी होगी, तभी वह इसे प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, कार्यकर्ता भी रोगी की सूचना प्राप्त होने पर उन्हें घर तक यह औषधि उपलब्ध करवाएंगे।

राजस्थान में कोरोना के 7680 नए मामले और 127 मौतें, ब्लैक फंगस के भी 700 मामले मिले

जयपुर। राजस्थान में कोरोना संक्रमण पर लगाम लगने लगी है। पिछले कुछ दिनों से संक्रमितों की संख्याा में लगातार कमी आ रही है। मृतकों का आंकड़ा भी कम हुआ है। पिछले 24 घंटे में 7680 नए संक्रमित मिलने के साथ ही 127 लोगों की मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा 1,517 जयपुर और सबसे कम 13 जालौर जिले में है। चार दिन पहले तक प्रतिदिन संक्रमितों की संख्या 10 हजार पार कर रही थी। मृतकों की संख्या में 200 के करीब पहुंच रही थी, लेकिन अब संक्रमण पर लगाम लगने लगा है। वर्तमान में एक्टिव केसों की संख्या एक लाख 43 हजार 974 है। उपचार के बाद बृहस्पतिवार को 16,705 लोग स्वस्थ हुए। ये या तो घर में ही डॉक्टर की सलाह पर इलाज ले रहे थे या फिर अस्पताल में भर्ती थे। प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या आठ लाख 97 हजार 193 और मृतकों का आंकड़ा 7,346 है। प्रदेश में रिकवरी रेट बढ़ने के साथ ही एक्टिव केसों की संख्या में भी लगातार कमी आ रही है। पिछले दो सप्ताह में 2 लाख 40 हजार के करीब लोग बीमारी से ठीक हुए हैं। दो सप्ताह पहले रिकवरी रेट 71 फीसद थी, जो अब बढ़कर 82 फीसदी तक पहुंच गई। प्रदेश में सबसे ज्यादा रिकवरी रेट बांसवाड़ा में है। यहां 92 फीसद रिकवरी रेट है।

ब्लैक फंगस के 700 मामले मिले- उधर, प्रदेश में फैलते ब्लैक फंगस को लेकर सरकार सक्रिय हुई है। प्रदेश में करीब 700 ऐसे

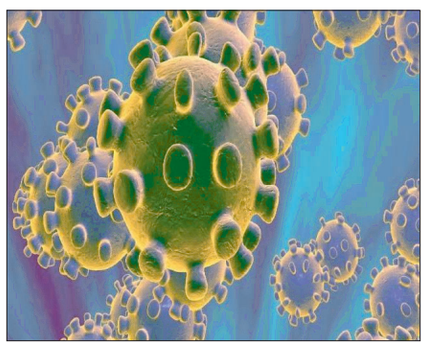

मामले आने की जानकारी सामने आई है। सरकार ने एक दिन पहले ही इसे महामारी घोषित किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा कि ब्लैक फंगस के मरीजों का संपूर्ण विवरण राज्य सरकार के पास होना आवश्यक है। इसके दृष्टिगत पूर्व में घोषित महामारी कोविड-19 के अंतर्गत ही राजस्थान महामारी अधिनियम-2020 के तहत ब्लैक फंगस को महामारी घोषित किया गया है। इसे नोटिफाई बीमारी की सूची में शामिल किया गया है।

वैक्सीनेशन को लेकर विवाद- वैक्सीनेशन के मामले को लेकर अलवर जिले के अमरैण व ढहरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर ग्रामीणों ने ताला लगा दिया। ग्रामीणों का कहना था कि पहले उन्हें टीका लगाया जाना चाहिए बाद में बाहर के लोगों का नंबर आए। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के बाद नंबर आने पर टीका लगवाने के लिए इन दोनों गांवों में पहुंच रहे अलवर शहर के लोगों को लोगों ने गांवों में प्रवेश नहीं करने दिया। गांवों के मुख्य रास्ते वाहन व पेड़ लगाकर रोक दिए। स्थानीय अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। स्थानीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद गेट का कहना है कि पहले ग्रामीण वैक्सीन लगवाने में दिलचस्पी नहीं ले रहे थे, लेकिन अब आगे आने लगे हैं। अलवर शहर से जो लोग गांवों में वैक्सीन लगवाने के लिए आ रहे हैं, उन्हें ऑनलाइन बुक करवाने पर समय मिला है।

अहमदाबाद में एक 14 साल के बच्चे ने अपनी मां के पुरुष मित्र की चाकू से गोदकर की हत्या

अहमदाबाद । अहमदाबाद के पूर्वी इलाके में एक 14 साल के बच्चे ने अपनी मां के पुरुष मित्र की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। महिला करीब 10 साल से अपने इस पुरुष मित्र के साथ रह रही थी लेकिन वह हर रोज उसकी पिटाई करता था जिससे नाराज होकर आरोपी ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया। अहमदाबाद के पूर्वी क्षेत्र में रहने वाली इस महिला के पुरुष मित्र का शव पुलिस को केलिको मिल के परिसर में पड़ा मिला।

शहर पुलिस अपराध शाखा के अनुसार आरोपी बालक जब 4 साल का था तब से यह महिला अपने इस मित्र के साथ रह रही है। उसका पुरुष मित्र आऐ दिन उसके साथ मारपीट करता था। पिछली 17 मई को आरोपी ने अपने पति के पुरुष मित्र को केलिको मिल बुलाया जहां उस पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वह उसको तब तक चाकू मारता रहा जब तक उसकी मौत की पुष्टि नहीं हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से स्कूटर की डिक्की में रखी 7000 रु तथा एक चाकू बरामद किया है।

डीएनए सैंपल नहीं मिला आरोपी बरी- गुजरात की एक स्थानीय अदालत ने किशोरी से दुष्कर्म के एक आरोपी को इसलिए बरी कर दिया चूंकि उसका डीएनए पीड़िता की पुत्री के साथ नहीं मिला। नडियाद क्षेत्र में कपड़वंज पुलिस थाने में एक 15 वर्षीय किशोरी ने जनवरी 2021 में एक युवक पर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया तथा कहां की इसके कारण वह गर्भवती हो गई तथा अक्टूबर 2020 में एक पुत्री को भी जन्म दिया। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया तथा मामले की जांच शुरू की। जांच अधिकारी हरदीप सिंह झाला ने पीड़िता की शिकायत के बाद आरोपी तथा उसकी पुत्री का डीएनए सैंपल जांच के लिए लैब में भेजा। उन्होंने अदालत को बताया कि आरोपी के साथ पीड़िता की पुत्री का डीएनए नहीं मिलता है।

पाक विस्थापितों ने कोरोना वैक्सीन को लेकर की हाईकोर्ट से गुहार, 24 मई को होगी सुनवाई

जोधपुर । कोरोना वैक्सीन लगाने को लेकर राजस्थान में रह रहे पाक विस्थापितों ने हाईकोर्ट से गुहार लगाई है, जिसमें कि उन्होंने सरकारी दस्तावेजों के अभाव में वैक्सीन नहीं लग पाने की पीड़ा बयां की है। राजस्थान हाई कोर्ट के जस्टिस संगीत लोढ़ा व रामेश्वर व्यास की खंडपीठ ने इस अर्जी पर सुनवाई करते हुए केंद्र व राज्य सरकार से जवाब मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 24 मई तय की गई है।

कोरोना की दूसरी लहर के मद्देनजर लगातार बढ़ रहे संक्रमण और वैक्सीन कार्यक्रम से वंचित पाक विस्थापितों ने अपने स्वास्थ्य को लेकर हाईकोर्ट से गुहार की है। दरअसल कोरोना वैक्सीनेशन के लिए सरकारी दस्तावेजों में आधार कार्ड की अनिवार्यता है जबकि राजस्थान के अजमेर जोधपुर और पाकिस्तान से सटे सरहदी जिले जैसलमेर बाड़मेर में बड़ी संख्या में पाक हिंदू विस्थापित परिवार रह रहे हैं । यह परिवार दीर्घकालीन और शार्ट टर्म वीजा पर रह रहे हैं। जिनके पास आधार कार्ड समेत अन्य सरकारी दस्तावेज नहीं है, जबकि कोरोना वेक्सीनेशन के लिए रजिस्ट्रेशन आधार कार्ड के जरिये ही हो रहा है। ऐसे में इनका टीकाकरण नहीं हो पा रहा है। जोधपुर में रहने वाले पाक विस्थापितों के अनुसार सरकारी दस्तावेजों के अभाव में उनका किसी तरह का कोई कैंप भी आयोजित नहीं हुआ है और ना ही उनके स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सरकार की ओर से कोई पहल की गई है न ही गाइडलाइन में कोई उल्लेख है। ऐसे में उनकी बस्तियों में लगातार संक्रमण फैल रहा है ,जिन की सुध लेने वाला भी कोई नहीं है।

पाक विस्थापित परिवारों की ओर से अधिवक्ता और न्याय मित्र सज्जन सिंह राठौड़ ने इस संबंध में न्यायालय के संज्ञान में विषय लाया गया है। राज्य सरकार की ओर से एएजी करण सिंह राजपुरोहित और केंद्र सरकार की ओर से ए एस जी मुकेश राजपुरोहित ने हाईकोर्ट से इस मामले में 3 दिन का समय मांगा है। f

अशोक गहलोत कोविड मैनेजमेंट में जुटे, विरोधी बना रहे रणनीति; जानें-पायलट खेमे की नाराजगी का कारण

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में लंबे समय से सुलग रही सियासी आग अब भड़कने लगी है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट खेमे के विधायक फिर अपनी ताकत दिखाने की तैयारी में जुटे हैं। वैसे तो पायलट खेमा अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं चूक रहा, लेकिन कोरोना संक्रमण पर लगाम लगने के बाद जून से फिर पायलट समर्थक विधायक सार्वजनिक रूप से अपनी ताकत दिखाने की रणनीति बना रहे हैं। महामारी कम होते ही पायलट समर्थक विधायक दिल्ली जाकर केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात करने पर विचार कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस आलाकमान ने पायलट समर्थक वरिष्ठ विधायक हेमाराम चौधरी के इस्तीफे और वेदप्रकाश सोलंकी के सार्वजनिक बयान के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को विधायकों से संवाद करने का जिम्मा सौंपा है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन ने डोटासरा से कहा कि वे पार्टी के सभी विधायकों से बात कर उनकी समस्याएं पूछे और फिर सरकार के स्तर पर इनका समाधान कराए। माकन के निर्देश के बाद डोटासरा विधायकों से बात करने में जुटे हैं, हालांकि पायलट समर्थक उन्हे कोई खास तवज्जो नहीं दे रहे। दो विधायकों ने तो डोटासरा से कहा बताया कि जब कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा बनाई गई उच्च स्तरीय कमेटी की ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नहीं सुन रहे तो आपकी क्या सुनवाई होगी। पायलट खेमे के अतिरिक्त अन्य कई कांग्रेस विधायकों ने सरकार में उनकी सुनवाई नहीं होने की बात कही है। एक तरफ पायलट समर्थक

विधायक गहलोत पर दबाव बना रहे हैं, वहीं मुख्यमंत्री फिलहाल कोविड मैनेजमेंट में जुटे हैं। सीएम लगातार कोरोना संक्रमण पर लगाम लगाने को लेकर बैठक लेकर पीड़ितों को राहत पहुंचाने में जुटे हैं। हालांकि गहलोत समर्थक विधायक पायलट खेमे की रणनीति को देखते हुए एकजुट होने लगे हैं।

गहलोत के विश्वस्त एक निर्दलीय विधायक का कहना कि सीएम को 100 से ज्यादा विधायकों का समर्थन हासिल है। निर्दलीय विधायक केवल गहलोत के कारण कांग्रेस सरकार को समर्थन दे रहे हैं। बसपा के भी छह विधायक सीएम की वजह से ही कांग्रेस में शामिल हुए हैं। हेमाराम चौधरी द्वारा तीन दिन पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी को इस्तीफा भेजे जाने के बाद सीएम ने फोन कर कई विधायकों से बात की है। परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, राजस्व मंत्री हरीश चौधरी, चिकित्सा राज्यमंत्री सुभाष गर्ग, कृषि मंत्री लालचंद कटारिया और निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा विधायकों से संपर्क साध कर गहलोत खेमा मजबूत करने में जुटे हैं। वहीं, पायलट समर्थक पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह,रमेश मीणा व वेदप्रकाश सोलंकी आगे की रणनीति बना रहे हैं।

पायलट खेमे की नाराजगी का कारण- पिछले साल पायलट खेमे की बगावत के समय कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष स्वर्गीय अहमद पटेल, महासचिव प्रियंका गांधी के दखल के बाद समझौता हुआ था। पायलट समर्थक विधायक मानेसर से वापस जयपुर लौटे थे। उस समय उन्हें मंत्रिमंडल विस्तार,राजनीतिक नियुक्तियों में हिस्सेदारी के साथ ही सत्ता व संगठन के निर्णयों में भागीदारी देने का वादा किया गया था। वादा किया गया था कि प्रदेश सत्ता व संगठन को लेकर जो भी फैसले होंगे, वे उच्च स्तरीय कमेटी में तय होंगे। लेकिन सीएम ने बिना किसी की सलाह के पिछले कुछ समय में कई राजनीतिक नियुक्तियां कर दीं, मंत्रिमंडल का विस्तार भी टाल रहे हैं। पायलट समर्थकों की मंत्री और अधिकारी सुनवाई नहीं करते। इस कारण इन विधायकों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है।

कोरोना काल में लोगों की मदद करने सामने आईं भूमिका चावला

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमिका चावला कोरोना वायरस से मची तबाही में लोगों का साथ देने के लिए एक नया तरीका अपनाया है। जिसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट से अपनी एक फोटो शेयर करते हुए दी है।

लघु उद्योग को मुफ्त में बढ़ावा देंगी

भूमिका चावला ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पोस्ट से घोषणा करते हुए कहा है कि वह लघु उद्योग को मुफ्त में बढ़ावा देंगी। इसके जरिए वह इस महामारी से प्रभावित और जरुरतमंद लोगों की मदद करेंगी। इस घोषणा के साथ ही साथ उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने का आग्रह किया है। भूमिका का पोस्ट वायरल हो चुका है। लोग कॉमेंट कर उनके नेक काम की तारीफ कर रहे हैं।

यह पैसे के लिए नहीं है

भूमिका ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''यह हमेशा पैसे के बारे में नहीं है ऐसे समय में जब हम सब इसमें एक साथ हैं, हम एक दूसरे की मदद के लिए क्या कर सकते हैं ? कोई अपने आप में सोचता है कि वह सबसे अच्छा क्या कर सकता हैक़ोई कुछ ब्रांडों और छोटे व्यवसायों की मदद करने की कोशिश कर रहा होगा.यह एक जरिया है, जो पैसों के लिए नहीं है।

पूरी तरह विश्वासनिय हो

भूमिका ने आपने पोस्ट में ये भी लिखा है कि वह छोटे ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त में सपोर्ट करेंगी और यह भी सुनिश्चित करेंगी कि जिन भी चीजों को वो प्रमोट करेंगी वह पूरी तरह विश्वासनिय हो।

सलमान खान साथ की थीं बॉलीवुड डेब्यू

बता दें कि भूमिका चावला ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया लेकिन आज भी लोग उन्हें सलमान खान की हिरोइन के नाम से जानते हैं। क्योंकि फिल्म 'तेरे नाम' में सलमान खान ने भी भूमिका को अप्रोच किया था ।

इन फिल्मों में भी आईं नजर

इस फिल्म भूमिका सलमान खान के अपोजिट नजर आई थीं। उनकी यह पहली फिल्म हिट साबित हुई थी। इस फिल्म के बाद, भूमिका 'रन', 'दिल ने जिसे अपना कहा', 'सिलसिला', और 'दिल जो भी कहे' जैसी फिल्मों में काम किया। भूमिका चावला अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म एमएस धोनी अनटोल्ड स्टोरी में भी नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की बहन का किरदार निभाया था।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में हैं बड़ा नाम

हालांकि अब भूमिका बॉलीवुड छोड़ साउथ फिल्म इंडस्ट्री वापस जा चुकी हैं, जहां इनका में बड़ा नाम है। भूमिका ने विज्ञापन फिल्मों में काम कर अपने करियर की शुरुआत की थी जिसके बाद वो जी टीवी के मशहूर शो 'हिप हिप हुर्रे' में दिखाई दी थी।

ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3

गेस्ट अपीयरेंस में दिखाई देंगे विक्रांत मैसी और हरलीन सेठी

पहले दो सीजन की जोरदार सफलता के बाद ऑल्ट बालाजी की सफल फ्रैंचाइजी – ब्रोकन बट ब्यूटीफुल के तीसरे सीजन के साथ वापस लौट आया है। टीजर के सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने के बाद अब ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। शो में सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राठी, अगस्त्य और रूमी के रूप में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में एक बड़े स्पॉइलर का खुलासा किया गया है, शो में विक्रांत मैसी और हरलीन सेठी गेस्ट अपीयरेंस में दिखाई दिए हैं। 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' फ्रैंचाइजी दर्शकों की पसंदीदा है क्योंकि यह उन्हें प्यार, लालसा और दिल टूटने के सफर पर ले जाता है। सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राठी अभिनीत, ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 अगस्त्य और रूमी की प्रेम कहानी है। एक महत्वाकांक्षी निर्देशक अगस्त्य राव को रूमी देसाई से प्यार हो जाता है। उनकी दुनिया अलग है, और वे एक-दूसरे से अलग चीजें भी चाहते हैं, जो दिल टूटने की एक परफेक्ट रेसेपी है। शो के तीसरे सीजन के टीजर में सिद्धार्थ के प्रशंसक उनके एंग्री यंग मैन अवतार को लेकर उत्साहित हैं। वे ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जिसके लिए वे सोशल मीडिया पर अनुरोध कर रहे है।

ट्रेलर के डायलॉग्स ने जीता दिल

यह ट्रेलर प्यार, नफरत, जुनून, निराशा, बदला और ईर्ष्या जैसी विभिन्न भावनाओं के साथ एक रोलर कोस्टर राइड है। सिद्धार्थ शुक्ला यहाँ अगस्त्य की भूमिका निभा रहे हैं जिन्हें थियेटर के गुस्सैल युवा के रूप में संदर्भित किया जाता है, जबकि रूमी उनकी मूज की भूमिका निभा रही है। प्रभावशाली डायलॉग जैसे कि 'आप जो चाहते हैं वह मिल जाने से डर लगता है', 'कभी-कभी वे चीजें जो आप चाहते हैं, वे चीजें नहीं होती जिनकी आपको आवश्यकता होती है 'और 'जुनून कभी खत्म नहीं होता, वह बदल जाता है', ट्रेलर ने निश्चित रूप से दर्शकों पर एक स्थायी छाप छोड़ दी है।

इंटरनेशनल फिल्म में म्यूजिशियन का किरदार निभाएंगे जैकी श्रॉफ

बॉलीवुड एक्टर जैकी श्रॉफ ने फिल्म जगत में सैकड़ों फिल्मों से अपनी विशेष पहचान बनाई है। जैकी का स्टाइल बाकी अभिनेताओं से बिल्कुल अलग है। अब जैकी इंटरनेशनल उड़ान के लिए तैयार हैं। वह एक इंटरनेशनल फिल्म में म्यूजिशियन के किरदार में नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि जैकी ने इस फिल्म को साइन कर लिया है। वह बहुत जल्द एक इंटरनेशनल फिल्म में दिखने वाले हैं। खबरों की मानें तो इस प्रोजेक्ट में जैकी को गोवा के एक 64 वर्षीय व्यक्ति की भूमिका में देखा जाएगा। इस फिल्म में एक ऐसे व्यक्ति की कहानी को फिल्माया जाएगा जिसके जीवन का पहले कोई आधार नहीं होता। इसके बाद वह फ्रांस का एक चर्चित म्यूजिशियन बन जाता है। अभी जैकी इस भूमिका के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

खबरों के मुताबिक, जैकी श्रॉफ इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। फिलहाल इस फिल्म का टाइटल निर्धारित नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म जोसेफ मैनुअल दा रोचा के जीवन पर आधारित होगी। जोसेफ को स्लो जो के नाम से भी जाना जाता है। स्लो की बायोपिक का निर्देशन 'व्हाई चीट इंडिया' के निर्देशक द्वारा किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को अंग्रेजी, फ्रेंच और कोंकणी भाषाओं में बनाया जाएगा। यह फिल्म भारत, फ्रांस और सिंगापुर के बीच को-प्रोडक्शन के रूप में बनाई जाएगी। स्लो की बायोपिक को सौमिक सेन द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

फिल्म करियर ने अन्य चीजों को करने के लिए सक्षम बनाया

गुल पनाग को हिंदी फिल्म उद्योग में लगभग 18 साल हो गए हैं, और उनका कहना है कि उनके अभिनय करियर ने उन्हें अन्य चीजों को करने में सक्षम बनाया जो उनके लिए महत्वपूर्ण हैं। गुल ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत 2003 में आई फिल्म 'धूप' से की थी। तब से, उन्होंने टीवी श्रृंखला कश्मीरी के अलावा जुर्म, डोर, धूप, मनोरमा सिक्स फीट अंडर और अब तक छप्पन 2 जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्हें आखिरी बार 2019 की फिल्म बाईपास रोड में देखा गया था। गुल ने बताया ''मैंने हमेशा ऐसी फिल्में की हैं जो मुझसे बात करती हैं और मैं कई अन्य चीजों को करने के लिए अपने फिल्मी करियर का लाभ उठाने में सक्षम थी। इसलिए, मैंने अपने फिल्मी करियर को एक निमार्ता, उद्यमी, सार्वजनिक वक्ता, प्रेरक होने जैसे अन्य काम करने में सक्षम बनाया।'' ''मुझे स्पष्ट रूप से कहना है कि अभिनय कुछ ऐसा है जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं, यह उन चीजों में से एक है जो मैं अपने जीवन में करना चाहती थी।'' नेशनल ज्योग्राफिक स्पेशल 'टाइगर क्वीन ऑफ तारू' और 'ऑन द ब्रिंक' को आवाज देने वाली गुल ने कहा, ''यह सुनिश्चित करना मेरे लिए अनिवार्य है कि मैं एक अभिनेत्री के रूप में बुद्धिमानी से प्रोजेक्ट का चुनाव करूं।''

सोनू सूद ने उनके नाम पर चल रहे फर्जी फाउंडेशन के प्रति किया आगाह

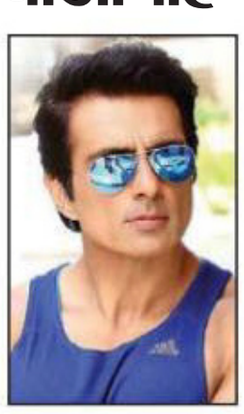

कोविड-19 महामारी में लोगों की सक्रिय तरीके से मदद कर रहे अभिनेता सोनू सूद ने सोमवार को लोगों को उनके नाम का इस्तेमाल कर चल रहे फर्जी फाउंडेशन द्वारा चंदा एकत्र करने को लेकर आगाह किया। सूद ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को आगाह करते हुए कहा कि एक संगठन है जो उनके नाम पर चंदा मांग रहा है जिसका उनसे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने ट्विटर पर कथित संगठन सोनू सूद फाउंडेशन के पोस्टर के साथ संदेश दिया, कृपया सतर्क रहें और नजदीकी पुलिस थाने में इसकी शिकायत करें।अभिनेता ने पोस्टर और फाउंडेशन पर 'फर्जी' का भी ठप्पा लगाया। गौरतलब है कि पिछले साल कोरोनावायरस की वजह से लागू लॉकडाउन में सोनू सूद ने कई प्रवासियों को उनके घर तक पहुंचाने में मदद की थी और कई वंचितों के भोजन की व्यवस्था की थी।

सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं अर्जुन बिजलानी

अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने सोशल मीडिया पर अपने नवीनतम पोस्ट को साझा किया है। इंस्टाग्राम पर अर्जुन ने केप टाउन से कई तस्वीरें साझा कीं, जहां वह स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 11 वें सीजन की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, '' आपका रवैया, आपकी योग्यता नहीं, आपकी ऊंचाई निर्धारित करेगी।'' अर्जुन के साथ, रियलिटी शो में दिखाई देने वाले अन्य लोगों में श्वेता तिवारी, अभिनव शुक्ला, दिव्यांका त्रिपाठी, निक्की तंबोली, अनुष्का सेन, राहुल वैद्य जैसे नाम शामिल हैं और सभी एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखाई देंगे । 12 मई को, अर्जुन को मरीजों के लिए बेड ढूंढने वाले इंडिया इंटरनेशनल मूलवेंट टू यूनाइट नेशन्स का एंबेस्डर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी के लिए जरूरी है कि वे आगे आएं और वायरस से लड़ने के प्रयासों में शामिल हों।

फंड रेजिंग पर बोले अमिताभ बच्चन -मैं किसी से पैसे नहीं मांग सकता

बॉलिवुड ऐक्टर अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर खासा ऐक्टिव रहते हैं और अक्सर पोस्ट के जरिए अपनी दिल की बात बेबाक अंदाज में फैन्स के साथ शेयर करते हैं। अब अमिताभ ने अपने ब्लॉग में 'फंडरेजिंग' का जिक्र करते हुए लिखा, 'फंडरेजिंग' का काम सच में काफी काबिले तारीफ है। लेकिन मैं इसे खुद से कभी शुरू नहीं करूंगा, क्योंकि मुझे दूसरे से पैसे मांगना शर्मनाक लगता है और मैंने अकेले 25 करोड़ रुपये डोनेट किए हैं।' बॉलिवुड के महानायक अमिताभ बच्चन इन दिनों कोविड के मरीजों के लिए काफी डोनेशन दे रहे हैं और इसकी जानकारी अक्सर वह अपने ब्लॉग के जरिए देते रहते हैं। अमिताभ के अलावा अनुष्का शर्मा, प्रियंका चोपड़ा, ऋतिक रोशन जैसे सेलिब्रिटी फंडरेजिंग के जरिए कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए पैसे जमा कर रहे हैं। बिग बी अपने ब्लॉग में लिखते हैं, 'मैं कभी खुद से यह शुरू नहीं कर सकता, क्योंकि मुझे पैसे मांगना बेहद शर्मनाक लगता है। इसलिए मैं कोशिश करता हूं कि मैं अपनी सीमित साधनों के जरिए जितना हो सके लोगों की मदद करूं।' अमिताभ आगे लिखते हैं, 'मैं अपने ब्लॉग पोस्ट में अपने डोनेशन या यूं कहें कोशिशों के बारे में इसलिए नहीं बताता हूं कि लोग मेरी तारीफ करें, बल्कि मैं इसके जरिए यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि सच में लोगों तक मदद पहुंच रही है। यहां केवल 'कोरे वादे' नहीं किए जा रहे हैं। मैं अपने सीमित साधनों से जो भी कर सकता हूं, वो कर रहा हूं।' अमिताभ ने अपने ब्लॉग में 'पब्लिक वेलफेयर' एड के ऊपर भी लिखा है। वह लिखते हैं, 'मैंने पब्लिक वेलफेयर के लिए जो भी एड किए हैं, उसके लिए आज तक सीधे तौर पर कोई योगदान नहीं मांगा। अगर कभी ऐसी अनदेखी हो गई है तो मैं माफी मांगता हूं।' आपको बता दें कि पूरा देश कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर से खासा परेशान है। अनुष्का और विराट कोहली ने अब तक 2 करोड़ रुपये का योगदान दिया है और उनके द्वारा शुरू किए गए फंडरेजिंग ने अब तक 11 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। अमिताभ अपने ब्लॉग पोस्ट में लिखते हैं, 'आजकल जब सब कुछ कहा और किया जा रहा है, तो मेरा व्यक्तिगत योगदान 25 करोड़ के आसपास होगा।'

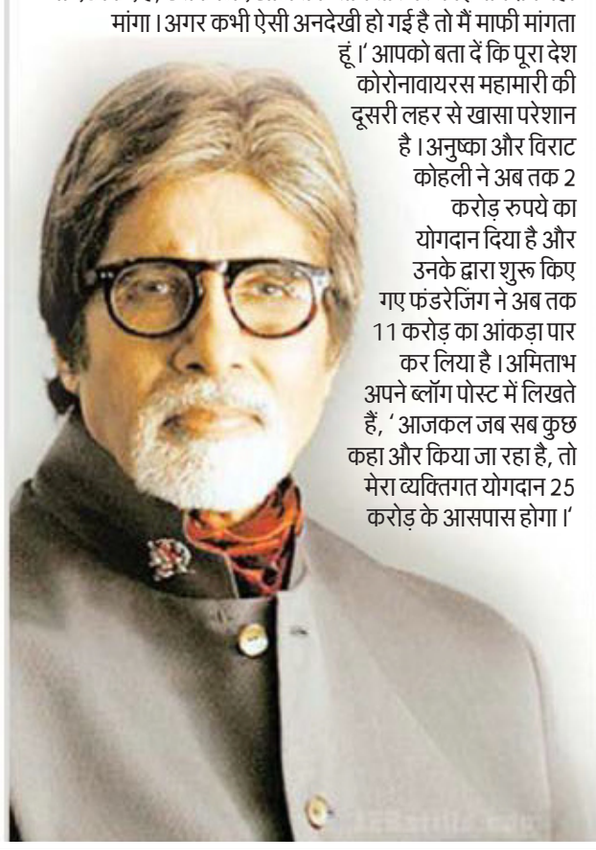

कोरोना महामारी के बीच शिल्पा शेट्टी ने दिया पॉजिटिव रहने का मंत्र

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। बीते दिनों उन्होंने एक पोस्ट कर बताया था कि राज कुंद्रा और उनके बच्चों सहित परिवार के सदस्य कोविड 19 से संक्रमित हो गए हैं। अब शिल्पा ने कोरोना महामारी के बीच फैंस को पॉजिटिव रहने की सीख दी हैं।

पॉजिटिव रहने का दिया मंत्र

शिल्पा ने एक पोस्ट लिखकर बताया कि 'एक दूसरे की मदद करिए और एक साथ रहिए। हमें खुद के साथ ईमानदार रहने की जरूरत हैं। अन्य चीजों से पहले अपनी प्राथमिकता पर ध्यान दें कि आपको क्या चाहिए। कृपया अपने स्वास्थ्य, अपने खाने, अपनी नींद और यहां तक कि पीने के पानी के साथ कोई भी लापरवाही ना करें।' शिल्पा लिखती हैं कि 'जब भी ऐसी मुश्किल घड़ी आए तो सीधे बैठकर गहरी सांस लें।' उन्होंने कहा कि 'जब आप ठीक होंगे तो आपके आस-पास के लोगों के ठीक होने को सुनिश्चित कर सकते हैं।'

कुलदीप ने गेस्ट हाउस पर लगवाई वैक्सीन:अस्पताल जाकर टीका न लगवाने पर कानपुर प्रशासन ने एक्शन लिया

कानपुर। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने शनिवार को कोरोना से सुरक्षा के लिए वैक्सीन तो लगवाई, पर इसने उन्हें मुसीबत में भी डाल दिया है। दरअसल, कुलदीप ने कानपुर के एक गेस्ट हाउस में वैक्सीन लगवाई थी। अब कानपुर प्रशासन ने इस पर एक्शन ले लिया है। प्रशासन का कहना है कि कुलदीप ने अस्पताल में स्लॉट बुक कर गेस्ट हाउस में टीका कैसे लगवाया। प्रशासन ने अधिकारियों को इसके खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं।

कुलदीप ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर किया

26 साल के कुलदीप ने वैक्सीनेशन की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर शेयर की थी। इसके साथ ही कोरोना से सुरक्षा को लेकर फैन्स से भी वैक्सीन लगवाने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि जब भी आपकी बारी आए, वैक्सीन जरूर लगवाएं। सुरक्षित रहें क्योंकि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने की आवश्यकता है। एडीएम को कुलदीप मामले की जांच के आदेश न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कुलदीप ने कानपुर नगर निगम के गेस्ट हाउस में टीका लगवाया। जबकि, उन्हें गोविंदनगर में मौजूद जागेश्वर अस्पताल में स्लॉट दिया गया था। स्थानीय डीएम आलोक तिवारी ने कहा कि एडीएमअतुल कुमार को मामले की जांच कर जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

बेटे के सपने के लिए त्याग, वाशिंगटन सुंदर को कोरोना से बचाने के लिए पिता ने छोड़ दिया घर

चेन्नई। भारतीय टीम के क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर के पिता का कहना है कि वह कोरोना वायरस के खतरे के कारण अपने बेटे से दूर रह रहे हैं। सुंदर इंग्लैंड जाने वाली भारतीय टीम का हिस्सा हैं और वह बुधवार को इंग्लैंड रवाना होने से पहले मुंबई पहुंचे हैं। सुंदर के पिता एम. सुंदर चेन्नई में आयकर विभाग में काम करते हैं, जिस कारण उन्हें सप्ताह में दो-तीन दफ्तर जाना पड़ता है। जब से वाशिंगटन आइपीएल से घर लौटे हैं उनके पिता दूसरे घर में रह रहे हैं। वाशिंटगन सुंदर के पिता ने कहा, 'मेरी पत्नी और बेटी वाशिंगटन के साथ रह रहे हैं क्योंकि वे घर से बाहर नहीं निकलती हैं। मैं उससे केवल वीडियो कॉल पर बात कर रहा हूं।

मुझे हफ्ते में कुछ दिन ऑफिस जाना पड़ता है। मैं नहीं चाहता कि वह मेरी वजह से कोरोना से संक्रमित हो।' एम सुंदर ने कहा कि वाशिंगटन का इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना है और ऐसा करने का यह सबसे अच्छा मौका है। वह हमेशा लॉर्ड्स और इंग्लैंड के अन्य स्थानों पर खेलना चाहते हैं। यह उनका लंबे समय से लक्ष्य रहा है। वह किसी भी कीमत पर इस दौरे से चूकना नहीं चाहते हैं। 2018 में, वाशिंगटन को इंग्लैंड में टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए चुना गया था, लेकिन दौरे पर अभ्यास सत्र के दौरान लगी चोट के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। वह एक भी मैच नहीं खेल सके थे।

आईपीएल 2021 का बचा सत्र इंग्लैंड में कराने की कोई योजना नहीं, भारत में ही टी-20 वर्ल्ड कप आयोजित कराना चाहता है बीसीसीआइ

नई दिल्ली। इंग्लैंड की कई काउंटी ने इंडियन प्रीमियर लीग के बचे हुए मैचों को अपने यहां आयोजित करने का निमंत्रण दिया हो, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) को उसमें कोई भी रुचि नहीं है। 29 मई को बीसीसीआइ की ऑनलाइन विशेष आम सभा (एसजीएम) होगी, जिसमें इस साल भारत की मेजबानी में होने वाले विश्व कप और कोरोना के कारण स्थगित हुए आइपीएल के बचे हुए मैचों को कराने को लेकर चर्चा होगी।

बीसीसीआइ के एक पदाधिकारी ने दैनिक जागरण से कहा कि अभी कुछ तय नहीं है। बैठक में चर्चा से ही हल निकलेगा। हां, जहां तक इंग्लैंड में आइपीएल कराने की कोई योजना नहीं है। अगर आइपीएल का बचा हुआ सत्र बाहर आयोजित होता है, तो उसके लिए दुबई ही विकल्प होगा। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी-20 विश्व कप की मेजबानी को लेकर उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि यह भारत में ही हो, लेकिन तब तक कोरोना की क्या स्थिति होगी इस पर कोई कुछ नहीं कह सकता। हम आइसीसी से कहेंगे कि फिलहाल अभी इसे भारत में ही कराने की योजना पर बढ़ा जाए। अंतिम समय में स्थितियों के हिसाब से अगर परिवर्तन करना पड़ता है तो करेंगे। आइसीसी ने पहले ही दुबई को वैकल्पिक आयोजन स्थल बना रखा है। मालूम हो कि भारत में आइपीएल का 14वां सत्र देश में बढ़ते कोरोना के मामले और टीमों के खिलाड़ियों व सहयोगी स्टाफ के पॉजिटिव पाए जाने के कारण स्थगित कर दिया गया था। कोरोना के कारण ही आइपीएल का पिछला सत्र भी यूएई में ही आयोजित हुआ था। बचे हुए सत्र के अभी 31 मैच और खेले जाने हैं। आइपीएल 2021 स्थगित होने के कारण ही टी-20 विश्व कप के आयोजन पर खतरा मंडरा रहा है।

एशिया कप टी-20 पर कोरोना का साया

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए इसे जून में कराने से किया इंकार

कोलंबो। एशिया कप टी-20 को रद्द कर दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए इसे कराने से इंकार कर दिया है। दरअसल 2022 एशिया कप पिछले साल पाकिस्तान में होना था, लेकिन कोरोना की वजह से इसे टाल दिया गया और इसकी मेजबानी श्रीलंका को सौंप दी गई। यह टूर्नामेंट इस साल जून में होना था। एशिया कप का आयोजन दो साल के अंतराल पर होता है। श्रीलंका क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी एश्ले डी सिल्वा ने कहा, 'मौजूदा हालात को देखते हुए जून में होने वाले टूर्नामेंट को कराना संभव नहीं है।' श्रीलंका में अभी कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए 10 दिन से हवाई यात्रा पर बैन है।

अगले साल हो सकता है टूर्नामेंट

BCCI सेक्रेटरी जय शाह की अध्यक्षता वाली एशिया क्रिकेट परिषद ने अभी तक टूर्नामेंट के भविष्य की योजनाओं की घोषणा नहीं की है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अगले साल एशिया कप का आयोजन किया जाएगा। हालांकि टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार अगले साल किसे मिलेगा, अभी तक साफ नहीं है। हालांकि

2020 में पाकिस्तान को इसकी मेजबानी मिली थी। ऐसे में माना जा रहा है कि पाकिस्तान को मेजबानी मिल सकती है और इसका आयोजन यूएई में हो सकता है।

भारत के श्रीलंका दौरे पर भी खतरा

भारतीय टीम के श्रीलंका दौरे पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। भारत को जुलाई में श्रीलंका दौरे पर लिमिटेड ओवर की सीरीज खेलने के लिए जाना है। पहले ही एक बार स्थगित हो चुकी वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज पर फिर से संकट छा गया है। पहले 2020 जून में भारतीय टीम को लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए श्रीलंका दौरे पर जाना था, जो कोरोना की वजह से टाल दिया गया था। संशोधित शेड्यूल के मुताबिक इसे इस साल जुलाई में निर्धारित किया गया था, लेकिन कोरोना के बढ़ रहे मामले से इसे भी टालने की अशंका बढ़ रही है। पहला वनडे 13 जुलाई को, दूसरा 16 और तीसरा 19 जुलाई को है।

वहीं 22 जुलाई से टी-20 के मैच खेले जाएंगे। 24 जुलाई को दूसरा टी-20 मैच होगा और 27 जुलाई को आखिरी मैच खेला जाएगा।

कोरोना की वजह से IPL भी रोका गया

कोरोना की वजह से IPL के 14 वें सेशन को बीच में रोक दिया गया था। दरअसल IPL के बीच सेशन में सनराइजर्स हैदराबाद के ऋद्धिमान साहा, दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा, च्यक्र के संदीप वॉरियर और वरुण चक्रवर्ती, छ्स्च के बॉलिंग कोच एल बालाजी और बैटिंग कोच माइकल हसी कोरोना संक्रमित पाए गए थे। जिसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और इंडियन प्रीमियर लीग प्रशासन ने IPL को बीच सेशन में ही रोकने का फैसला किया।

टी-20 वर्ल्डकप पर भी संकट

कोरोना की वजह से इस साल भारत में होने वाले टी-20 वर्ल्डकप पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आने वाले क्रिकेट सीजन और अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर स्पेशल जनरल मीटिंग बुलाई है। यह मीटिंग 29 मई को वर्चुअली होगी। बोर्ड सचिव जय शाह ने इसके लिए सभी स्टेट एसोसिएशन को नोटिस भी भेजा है।

पहली बार डे-नाइट टेस्ट खेलेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

ऑस्ट्रेलिया से होगा मुकाबला, जय शाह ने दी जानकारी

नई दिल्ली। भारत की महिला क्रिकेट टीम इस साल के अंत में अपना पहला डे-नाइट टेस्ट खेलेगी। यह मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट करके कहा, 'महिला क्रिकेट के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि टीम इंडिया वुमेंस क्रिकेट टीम इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला पिंक बॉल डे-नाइट टेस्ट खेलेगी।'

कोरोना संक्रमित पूर्व महिला क्रिकेटर की मां के लिए कोहली ने बढ़ाए मदद के हाथ, इलाज के लिए दिए 6.77 लाख रुपये दिए

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली पूर्व महिला क्रिकेटर केएस श्रवंती नायडु की मां की मदद के लिए आगे आए हैं। श्रवंती की मां एसके सुमन कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मुश्किल समय में कोहली ने उनकी आर्थिक रूप से मदद की है और उन्हें 6.77 लाख रुपये दिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रवंती ने मदद के लिए बीसीसीआइ, हैदराबाद क्रिकेट संघ और दूसरे क्रिकेट संघों से गुहार लगाई थी।

भारत के फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लोगों से उनकी मदद करने की अपील की थी। बीसीसीआइ दक्षिण क्षेत्र की पूर्व संयोजक (महिला क्रिकेट) और बीसीसीआइ के पूर्व अध्यक्ष एन शिवलाल यादव की बहन एन विद्या यादव ने एक ट्वीट में कोहली को टैग किया था, जिसमें उन्होंने श्रवंती के लिए मदद मांगी थी। श्रवंती अपने माता-पिता के कोरोना पॉजिटिव होने पर 16 लाख रुपये पहले ही खर्च कर चुकी हैं। इस मदद के लिए उन्होंने कोहली को धन्यवाद दिया।

इससे पहले कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा ने 2 करोड़ रुपये का दान दिया था और कोरोना महामारी की दूसरी लहर में पीड़ित लोगों के लिए ऑक्सीजन और अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण खरीदने के लिए फंड जुटाने का अभियान शुरू किया था। कोहली और अनुष्का एक हफ्ते के समय में 11 करोड़ रुपये से अधिक इक्ट्ठा किए। कोहली और अनुष्का ने 7 करोड़ रुपये जुटाने के उद्देश्य से अभियान शुरू किया था, लेकिन लोगों के जबरदस्त सहयोग से लगभग दोगुनी

धनराशि इक्ट्ठा हुई । कोरोना राहत के लिए धनराशि दान की गई। बता दें कि कोहली साउथैंप्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के दौरान खेलते दिखाई देंगे। यह मैच 18 जून से शुरू होने वाला है। टीम इंडिया दो जून को इंग्लैंड रवाना होगी। उसे इंग्लैंड से भी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

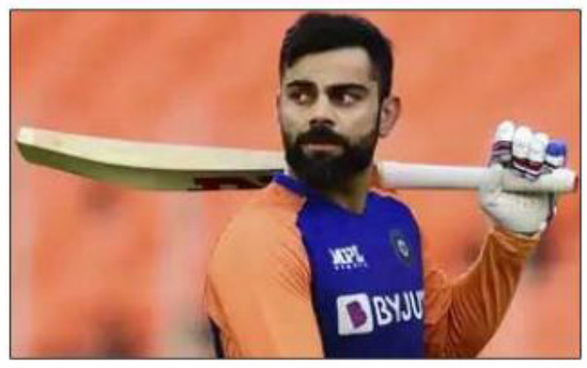

भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेटर्स मुंबई पहुंचे

कई खिलाड़ी चार्टर्ड फ्लाइट से तो कुछ बाय रोड आए, 2 सप्ताह तक क्वारैंटाइन रहने के बाद इंग्लैंड के लिए रवाना होंगी टीमें

मुंबई। भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें अगले महीने की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होंगी। कोरोना प्रोटोकॉल के तहत सभी खिलाड़ियों को मुंबई में दो सप्ताह के लिए क्वारैंटाइन रहना है। इसके लिए दोनों टीमों के खिलाड़ी मुंबई पहुंच गए। इंग्लैंड में भी उन्हें दिन तक क्वारैंटाइन रहना है। पुरुष टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 से 22 जून तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड के साथ अगस्त-सितंबर में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी। महिला टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 1 टेस्ट सहित 7 इंटरनेशनल मैच खेलने हैं।

सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क के नियमों का पालन करते दिखे खिलाड़ी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड BCCI ने सोशल मीडिया पर प्लेन में मौजूद टीम इंडिया के कुछ सितारों की तस्वीर पोस्ट की है। इन तस्वीरों में वॉशिंगटन सुंदर, मयंक अग्रवाल, रविचंद्रन अश्विन, मिताली राज और मोहम्मद सिराज नजर आ रहे हैं। सभी खिलाड़ी सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क के नियमों का पालन करते दिखे। एक कतार में अगर दो खिलाड़ी बैठे भी हैं तो बीच की सीट खाली छोड़ी गई।

बंगाल के खिलाड़ी कॉमर्शियल फ्लाइट से आएंगे

भारतीय टीम के खिलाड़ी कई अलग-अलग चार्टर्ड फ्लाइट के अलावा कॉमर्शियल फ्लाइट और बाय रोड भी आए हैं। हैदराबाद से मोहम्मद सिराज चार्टर्ड फ्लाइट से आए हैं। लोकेश राहुल और मयंक अग्रवाल बेंगलुरू से बाय रोड चेन्नई पहुंचे। यहां से इन लोगों ने रविचंद्रन अश्विन, वॉशिंगटन सुंदर आदि के साथ फ्लाइट लिया। दिल्ली से

खिलाड़ियों को लेकर तीन चार्टर्ड फ्लाइट को मुंबई आना है।

इनमें ऋषभ पंत, शुभमन गिल, उमेश यादव, आवेश खान, अभिमन्यु ईश्वरन, ईशांत शर्मा आदि को आना है। कोलकाता से मोहम्मद शमी और रिद्धिमान साहा कॉमर्शियल फ्लाइट से पहुंचेंगे। वहीं, चेतेश्वर पुजारा, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और अरजान नागरसवाला गुजरात से बाय रोड मुंबई पहुंचे हैं।

क्रिकेट: भारत-न्यूजीलैंड के डब्ल्यूटीसी फाइनल में सबसे बड़े नियम का इंतजार, ड्रॉ हुआ तो कौन होगा चैंपियन

मुंबई भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 से 22 जून तक खेली जाने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से जारी होने वाले नियमों का इंतजार कर रही है। इससे ही साउथम्पटन में खेले जाने वाले इस मुकाबले के ड्रॉ

होने की स्थिति में क्या होगा? मैच बारिश की बलि चढ़ गया तो क्या होगा? इन सवालों का जवाब मिल सकेगा। बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनुसार भारतीय टीम को अभी प्लेइंग कंडिशंस (मैच से जुड़ी परिस्थितियो संबंधी नियम और शर्तों) का इंतजार है। आईसीसी अगले कुछ दिनों में इन नियमों को जारी करेगी। टीम के संपर्क में रहने वाले एक अधिकारी ने कहा कि यह एक और द्विपक्षीय सीरीज या टेस्ट मैच नहीं है। इसलिए हमें मैच की स्थिति और समस्या आने पर उसके समाधान के बारे में जानने की जरूरत है। हम तीन बातों का समाधान चाहते हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले टेस्ट के दौरान साउथम्पटन में क्वारंटीन पर रहेगी। भारतीय टीम अगले महीने की शुरुआत में लंदन पहुंचने के बाद, तुरंत साउथम्पटन के लिए रवाना होने की उम्मीद है। टीम एजियास बाउल में इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट मैच के दौरान क्वारंटीन में होगी।

फुटबॉल विश्व कप क्वालीफायर्स: दोहा रवाना हुई भारतीय टीम, सुनील छेत्री की वापसी

मुंबई। कोरोना वायरस संक्रमण से उबर चुके करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री की अगुवाई में 28 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम शाम दोहा के लिए रवाना हो गई। यहां वह आगामी 2022 फीफा विश्व कप के क्वालीफायर मैच और वर्ष 2023 में होने वाले एशियाई कप क्वालीफायर के बचे हुए मुकाबले खेलेगी।

छेत्री इस बीमारी की चपेट में आने के कारण मार्च में यूएई और ओमान के खिलाफ खेले गए मैत्री मैचों में टीम का हिस्सा नहीं थे। लेकिन, वह तीन जून को मेजबान कतर के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारतीय टीम इससे पहले दोहा में बायो-बबल में अभ्यास शिविर में भाग लेगी।

कतर की यात्रा के लिए जरूरी स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के मुताबिक सभी खिलाड़ियों और कर्मचारियों को पिछले 48 घंटों में की गई कोविड-19 आरटी-पीसीआर जांच की निगेटिव रिपोर्ट के साथ वहां पहुंचना है। उल्लेखनीय है कि भारतीय फुटबॉल टीम के खिलाड़ी 15 मई से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पृथकवास पर थे।

कुछ इस तरह की है 28 सदस्यीय टीम

एफसी गोवा के मिडफील्डर ग्लेन मार्टिंस टीम में इकलौते नए खिलाड़ी हैं। उदंता सिंह, ब्रैंडन फर्नांडिज, प्रणॉय हलदर और अब्दुल सहल ने भी राष्ट्रीय टीम में वापसी की है। मार्च में भारतीय टीम के मैत्री मैचों के लिए 27 सदस्यीय टीम में शामिल रहे मिडफील्डर जैक्सन सिंह, रेनियर फर्नांडिज और हलीचरण नारजारे के साथ हितेश शर्मा को टीम से बाहर कर दिया गया। रक्षापंक्ति में राहुल भेके, नरेंदर गहलोत और शुभाशीष बोस की वापसी हुई है। वहीं, आशुतोष मेहता, मंदर राव देसाई और मसहूर शरीफ जगह बनाने में सफल नहीं रहे।

बीसीसीआई का पुरुषवादी रवैया जारी:19 महिला खिलाड़ियों को ही कॉन्ट्रैक्ट, टॉप महिला क्रिकेटरों को सालाना 50 लाख रुपए

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का पुरुषवादी रवैया जारी है। दो दिन पहले इंग्लैंड जाने वाले खिलाडियों की कोरोना टेस्टिंग के मामले में बोर्ड के भेदभाव वाले रुख को उजागर किया था। अब सालाना कॉन्ट्रैक्ट में भी बीसीसीआई का यही रुख सामने आया है। बोर्ड ने बुधवार देर रात 19 महिला खिलाड़ियों को सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिए जाने की घोषणा की है। पिछले साल 22 महिला खिलाड़ियों को अनुबंध मिला था। दूसरी ओर सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले पुरुष खिलाड़ियों की संख्या 27 से बढ़ाकर 28 कर दी गई थी।

ग्रेड-ए में 3 खिलाड़ी, इन्हें मिलेंगे 50-50 लाख रुपए

बीसीसीआई ने 19 में से 3 खिलाड़ियों हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और पूनम यादव को ग्रेड ए में रखा है। इन तीनों को 50-50 लाख रुपए मिलेंगे। टेस्ट और वनडे टीम की कप्तान मिताली राज और भारत की सबसे कामयाब महिला गेंदबाज झूलन गोस्वामी सहित 10 खिलाड़ियों को ग्रेड बी में रखा गया है। प्रिया पूनिया और पूजा वस्त्राकर सहित 6 खिलाड़ी ग्रेड सी में हैं। ग्रेड बी में मौजूद खिलाड़ियों को 30-30 लाख रुपए और ग्रेड सी में मौजूद खिलाड़ियों 10-10 लाख रुपए मिलेंगे। पिछले साल भी तीनों ग्रेड के लिए यही रकम दी गई थी।

सी ग्रेड वाले पुरुष क्रिकेटर्स को ए ग्रेड की महिला क्रिकेटर्स से ज्यादा राशि

महिलाओं के उलट पुरुष खिलाड़ियों में सबसे ऊंचा ग्रेड ए प्लस है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह इस ग्रेड में आते हैं। उन्हें सालाना 7 करोड़ रुपए मिलते हैं। इसके बाद ए ग्रेड में मौजूद

खिलाड़ियों को 5 करोड़, बी ग्रेड में मौजूद खिलाड़ियों को 3 करोड़ और सी ग्रेड में मौजूद खिलाड़ियों को 1 करोड़ रुपए मिलते हैं। यानी सी ग्रेड में आने वाले पुरुष खिलाड़ियों को भी ए ग्रेड में आने वाली महिला क्रिकेटर्स से ज्यादा राशि मिलती है।

पुरुषों की कॉन्ट्रैक्ट राशि पांच साल में सात गुना बढ़ी, महिलाओं की तीन गुना

ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड सहित अन्य देशों में भी महिला क्रिकेटरों को पुरुषों की तुलना में कम राशि मिलती है। लेकिन, इस गैप को लगातार कम करने की कोशिश हो रही है। दूसरी ओर भारत में गैप बढ़ता जा रहा है। 2015-16 में पहली बार भारत में महिला खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट मिला। तब टॉप ग्रेड की महिला खिलाड़ी को 15 लाख दिए गए थे। उस समय टॉप ग्रेड के पुरुष क्रिकेटर को 1 करोड़ रुपए मिलते थे। यानी अगले पांच साल में पुरुषों की कॉन्ट्रैक्ट राशि 7 गुना बढ़ गई, जबकि महिलाओं की कॉन्ट्रैक्ट राशि करीब 3 गुना ही बढ़ी।

टेनिस के सभी ग्रैंड स्लैम करते हैं एक समान भुगतान

टेनिस दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है। टेनिस के चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पुरुष और महिला खिलाड़ियों को एक समान इनामी राशि दी जाती है। महिला सिंगल्स के चैम्पियन को उतनी ही राशि मिलती जितनी पुरुष सिंगल्स के चैम्पियन को।

2001 में सबसे पहले अमेरिकी ओपन ने इसकी शुरुआत की थी। 2007 में विम्बलडन ने भी पुरुष और महिला खिलाड़ियों की इनामी राशि एक समान कर दी। क्रिकेट का खेल और क्रिकेट बोर्ड भी टेनिस से काफी कुछ सीख सकते हैं।

कोरोना टेस्टिंग में भी भेदभाव

बीसीसीआई भारत की पुरुष और महिला टीम को एक साथ इंग्लैंड ले जा रहा है। पुरुष खिलाड़ियों से पता पूछ-पूछ कर उनके घर पर कोरोना टेस्टिंग कराई गई। वहीं, महिला खिलाड़ियों से कहा गया था कि वे अपनी जांच खुद कराएं। भास्कर ने इस बारे में खबर प्रकाशित की तो बीसीसीआई ने अपना स्टैंड बदला और महिला खिलाड़ियों की भी टेस्टिंग कराई गई।

महिला खिलाड़ियों का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

ग्रेड ए (50 लाख रुपए)

हरमन प्रीत कौर, स्मृति मंधाना और पूनम यादव

ग्रेड बी (30 लाख रुपए)

मिताली राज, झूलन गोस्वामी, दीप्ति वर्मा, पूनम राउत, राजेश्वरी गायकवाड, शेफाली वर्मा, राधा यादव, शिखा पांडे, तानिया भाटिया, जेमिमा रोड्रिगेज

ग्रेड सी (10 लाख रुपए)

मानसी जोशी, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, हरलीन देओल, प्रिया पूनिया और रिचा घोष।